Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 124 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 30 अक्टूबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

परलोक गमन के समय पैसा नहीं पुण्य काम आता है।

At the life of departure for next world not moneay but virtuous acts of use.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

प्रधानमंत्री मोदी ने 200 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सिम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बिलासपुर का किया वर्चुअल लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। सेवा से समृद्धि और सुशासन की संकल्पना के साथ आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज धन्वंतरी जयंती और नौवें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बिलासपुर (कोनी) में 200 करोड़ की लागत से निर्मित सिम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का वर्चुअल लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कोनी में आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में वर्चुअल रूप से देश के विभिन्न स्थानों में 12 हजार 850 करोड़ रूपए से अधिक लागत की अनेक स्वास्थ्य परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया, इनमें छत्तीसगढ़ के बिलासपुर (कोनी) का सिम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण और रायपुर में बनने वाले 100 बिस्तरों वाले केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (CRIYN) का शिलान्यास शामिल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश के लोग जितना ज्यादा स्वस्थ रहेंगे, देश की प्रगति उतनी ही तेजी से होगी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव उपस्थित थे।

- लोग जितना ज्यादा स्वस्थ रहेंगे, देश की प्रगति उतनी ही तेजी से होगी : पीएम मोदी
- धन्वंतरि दिवस पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों को 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं की दी सौगात
- सिम्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बिलासपुर से बिलासपुर और सरगुजा संभाग के लोगों को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं : सीएम साय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर देशवासियों को धनतेरस और भगवान धनवंतरि जयंती की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि धनतेरस के दिन सौभाग्य और स्वास्थ्य का यह उत्सव सिर्फ एक संयोग नहीं है, यह स्वास्थ्य और समृद्धि का उत्सव है। देश के लोग जितना ज्यादा स्वस्थ रहेंगे, देश की प्रगति उतनी ही तेजी से होगी। पूरी दुनिया के लोग योग और पंचकर्म के लिए भारत आते है, आने वाले समय में इनकी संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज धनवंतरी और नौवां आयुर्वेद दिवस है। इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में न्यायधानी बिलासपुर को एक बड़ी सौगात दी हैं। बिलासपुर स्थित मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। अस्पताल से न केवल बिलासपुर के आसपास के ग्रामीणों को इलाज की बेहतर सुविधा मिलेगी बल्कि सरगुजा संभाग के भी मरीजों को बेहतर इलाज के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी और सुशासन के संकल्प के साथ विकास के सभी वादों को पूरा करने के लिए संकल्पित है। हमारी सरकार द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना फिर से शुरू की जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित विकास के सभी आयामों पर हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता से कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 200 करोड़ की लागत से बना अस्पताल धनतेरस के पावन अवसर पर बिलासपुर वासियों के लिए एक बहुत बड़ी सौगात है। बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित इस हॉस्पिटल के शुभारंभ से अब क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि इस अस्पताल के शुभारंभ से स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित होगा।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने 200 करोड़ के लागत से बने इस मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के शुभारंभ को बिलासपुर के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। छत्तीसगढ़ सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इसी कड़ी में ढाई एकड़ में यह 11 मंजिला भव्य हॉस्पिटल बनाया गया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस अस्पताल में बिलासपुर सहित सरगुजा संभाग के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

छ.ग. राज्योत्सव में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव होंगे शामिल

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के उपलक्ष्य में नवा रायपुर में 4 से 6 नवंबर तक राज्योत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जानकारी दी कि इस वर्ष राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, अब 70 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को मिलेगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आयुष्मान योजना में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए 70 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को इस योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा देने की घोषणा की। इस योजना के तहत अब बुजुर्गों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा।

दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान वय वंदन कार्ड बुजुर्ग लाभार्थियों को सौंपकर इस योजना की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह फैसला देश के करीब 4.5 करोड़ परिवारों के 6 करोड़ से ज्यादा बुजुर्गों के लिए लाभकारी साबित होगा। 70 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्ग इस योजना के पात्र होंगे। इस योजना में आय सीमा का कोई प्रतिबंध नहीं होगा। लाभार्थियों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। लाभार्थियों को अलग से आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदान किया जाएगा। अन्य सरकारी योजनाओं, केंद्रीय कर्मचारियों की हेल्थ योजना, प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस योजनाओं और ईएसआई स्कीम का लाभ लेने वाले बुजुर्ग भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने विभागीय अधिकारियों से काम-काज की जानकारी ली

रायपुर (विश्व परिवार)। जनसम्पर्क संचालनालय के नव पदस्थ आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने आज यहां छत्तीसगढ़ संवाद के सभा कक्ष में जनसम्पर्क संचालनालय एवं संवाद के अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारियों से विभागीय कार्यकलापों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों से शासन की योजनाओं के बेहतर प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर संचालक जनसम्पर्क अजय कुमार अग्रवाल, अपर संचालक जे.एल.दरियो, उमेश मिश्रा, संजीव तिवारी, आलोक देव, हर्षा पौराणिक एवं संतोष मौर्य सहित संचालनालय के संयुक्त संचालक, उप संचालक, सहायक संचालक सहित संचालनालय एवं संवाद के अधिकारी मौजूद थे।

जय व्यापार
स्थापना 1959 पंजीयन क्र. 59
CCCI
छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, रायपुर
दीपावली मिलन समारोह
दिनांक 01 नवंबर 2024, शुक्रवार
समय प्रातः 11 से 1 बजे तक...
स्थान: चौ. देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, द्वितीय तल, बाम्बे मार्केट, रायपुर (छ.ग.)
आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है ।
अमर पारवानी - प्रदेश अध्यक्ष | अजय भसीन - प्रदेश महामंत्री | उत्तम गोलछा - प्रदेश कोषाध्यक्ष
चेयरमैन - यू. एन. अग्रवाल प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष- राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंह देव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल
प्रदेश कार्यकारी महामंत्री- कपिल दोशी, विकास आहूजा
एवं समस्त पदाधिकारीगण...
Khanna

एनटीपीसी नवा रायपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 का शुभारंभ

नवा रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी नवा रायपुर में 29 अक्टूबर, 2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह (28 अक्टूबर से 03 नवंबर, 2024) का शुभारंभ सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने और सतर्कता जागरूकता कार्यशाला के आयोजन के साथ हुआ।

श्री यूएच गोखे, ईडी (यूएसएससी) और श्री एसके घोष, ईडी-ओएस ने सभी कर्मचारियों को क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई। इससे पहले, श्री कुंदन राठौड़, एजीएम (सतर्कता) ने सतर्कता सप्ताह के महत्व और एनटीपीसी में सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए अपनाई जाने वाली प्रणालियों पर बात की। बाद में, कर्मचारियों के लिए एक सतर्कता जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि श्री अमरेश कुमार मिश्रा, आईपीएस, ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) और एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो), छत्तीसगढ़ सरकार के प्रमुख ने सत्यनिष्ठा और निवारक सतर्कता की संस्कृति को बढ़ावा देने पर बात की और प्रणाली, संस्कृति और जवाबदेही के महत्व को रेखांकित किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान कर्मचारियों और उनके जीवनसाथियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

एनएमडीसी ने सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण पर आधारित भविष्य का संकल्प लेते हुए सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

हैदराबाद (विश्व परिवार)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड ने इस वर्ष की थीम, सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि के साथ संरेखित करते हुएसत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और नैतिक प्रथाओं के लिए एक नई प्रतिबद्धता के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाना शुरू किया।

कार्यक्रम की शुरुआत एनएमडीसी के सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) श्री अमिताभ मुखर्जी द्वारा हैदराबाद में एनएमडीसी मुख्यालय में सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ हुई। उनके साथ श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और (कार्मिक, अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी और श्री बी. विश्वनाथ, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमडीसी, वरिष्ठ प्रबंधन और कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने इस समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके साथ ही, एनएमडीसी के परियोजना स्थालोंपन्ना, दोणिमलै, बचेली, किरंदुल, जगदलपुर, नगरनार और अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों में भी पारदर्शिता और जवाबदेही की कंपनी-व्यापी संस्कृति को मजबूत बनाते हुए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ली गई।

प्रतिज्ञा के दौरान, भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, भारत के माननीय प्रधान मंत्री और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के संदेशों को दोहराया गया, जिसमें सार्वजनिक सेवा में सत्यनिष्ठा के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला गया।

16 अगस्त से 15 नवंबर, 2024 तक चलने वाले तीन महीने के अभियान के हिस्से के रूप में, एनएमडीसी ने संगठन के भीतर और बाहर नैतिक प्रथाओं को विकसित करने के लिए अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए हैं। अभियान में कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र शामिल हैं, जो नैतिक शासन, खरीद प्रक्रियाओं, सीडीए नियमों और निवारक सतर्कता के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और परिचालन के प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हैं। इस अभियान का मुख्य आकर्षण एनएमडीसी की समुदाय तक पहुंच है। कंपनी ने हैदराबाद, बैलाडिला, जगदलपुर, नगरनार, पन्ना और दोणिमलै में 28 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिसमें 1, 800 से अधिक छात्रों को शामिल किया गया है। अकेले हैदराबाद में, पाँच स्कूलों और चार कॉलेजों के 1, 000 से अधिक छात्रों ने निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया।

छात्रों के प्रयासों को सराहने और प्रोत्साहित करने के लिए, एनएमडीसी मुख्यालय में उद्घाटन समारोह में इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह रखा गया, जो युवाओं के बीच सत्यनिष्ठा और ईमानदारी जैसे नैतिक मूल्यों के पोषण के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर बोलते हुए, एनएमडीसी के सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा, एनएमडीसी न केवल संगठन के भीतर बल्कि उन समुदायों में भी पारदर्शिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने मिशन में प्रतिबद्ध है, जिनकी हम सेवा करते हैं। छात्रों के साथ जुड़कर और जागरूकता बढ़ाकर, हम नैतिक आचरण और जिम्मेदार प्रथाओं पर आधारित भविष्य की नींव रख रहे हैं। हमारे सामूहिक प्रयासों का उद्देश्य भ्रष्टाचार मुक्त भारत के विजन को साकार करना है, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही राष्ट्रीय समृद्धि के स्तंभ बनें।

पूरे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान, एनएमडीसी परिचालन के सभी स्तरों पर पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और नैतिक प्रथाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगा।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 30 अक्टूबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024: जिला पंचायत सीईओ ने मतदाता जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में आज जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी श्री विश्वदीप ने मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाई। यह रथ दक्षिण विधानसभा के विभिन्न मार्गों में जाकर मतदाताओं को जागरूक करेंगी। इस अवसर पर जिला उप निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर बंदे, जिला समन्वयक श्री के.एस. पटले, जिला परियोजना अधिकारी एवं स्वीप की सहायक नोडल अधिकारी डॉ कामिनी बावनकर, जिला सहायक परियोजना अधिकारी श्री चुन्नी लाल शर्मा उपस्थित थे।

स्वयंसेवी संस्था 'पीपला फाउंडेशन' ने मुक्तिधाम में चलाया स्वच्छता अभियान

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को प्रात: दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए नगर के स्वयंसेवी संस्था पीपला फाउंडेशन के सदस्यों ने मिलकर मुक्तिधाम में इधर-उधर बिखरे कचरों की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही मुक्तिधाम में स्वच्छता बनाए रखने की अपील किए हैं। ज्ञात हो कि यह संस्था अनेक रचनात्मक कार्यों के लिए जाना जाता है। प्राय: हर दिन इस संगठन के सदस्यों द्वारा कुछ न कुछ रचनात्मक कार्य व गतिविधियां देखने सुनने को मिलती है। स्वच्छता अभियान में फाउंडेशन से कोमल लाखोटी, भागवत जलक्षत्री, सूरज सोनकर, दुर्गेश निर्मलकर, दिना सोनकर, अभिमन्यु साहू, मोहन सोनकर, राकेश जलक्षत्री ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

विश्व स्ट्रोक दिवस पर संस्था '2050 हेल्थकेयर' की वॉकथान रैली

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व स्ट्रोक दिवस पर आज नगर की संस्था '2050 हेल्थ केयर' के द्वारा स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता हेतु मरीन ड्राइव पर एक वॉकथान जन जागरण रैली आयोजित की गई। संस्था के मैनेजर अरिहंत जैन के अनुसार इस रैली का उद्देश्य स्ट्रोक के लक्षण, जोखिम एवं बचाव के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस वॉकथान रैली में सैकड़ो की संख्या में डॉक्टर्स, फिजियोथैरेपिस्ट, नर्सेज एवं आम लोगों ने स्वेच्छा से भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से संस्था के अभिजीत अकोलेकर, गायत्री साहू, प्रीति ठाकुर, बृजेश मौर्यएवं अरिहंत जैन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा सन 2004 से विश्व स्तर पर यह दिवस मनाया जा रहा है। भारत में सन 2021 के डाटा के अनुसार देश मे 1.25 मिलियन स्ट्रोक के के केस सामने आए हैं। स्ट्रोक, ऑर्थोपेडिक, कैंसर एवं रिहैबिलिटेशन तथा होम केयर जैसे क्षेत्र में कार्यरत संस्था '2050 हेल्थ केयर' अग्रोहा कॉलोनी, रायपुर के द्वारा आयोजित इस अभिनव अभियान की नगर की आम जनता के द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान रायपुर का किया वर्चुअली शिलान्यास

10 एकड़ क्षेत्र में 24 माह में तैयार होगा 100 बिस्तरों का केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, CRIYN से प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार की तरफ अग्रसर होंगे छत्तीसगढ़ के युवा : स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर वर्चुअल माध्यम से रायपुर में बनने वाले 100 बिस्तरों वाले केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (CRIYN) का शिलान्यास किया।प्रधानमंत्री श्री मोदी अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से रायपुर से जुड़े थे। श्री मोदी ने कहा कि देश के लोग जितना ज्यादा स्वस्थ रहेंगे, देश की प्रगति उतनी ही तेजी से होगी। पूरी दुनिया के लोग योग और पंचकर्म के लिए भारत आते हैं और आने वाले समय में इनकी संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ काम रही है।

केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान रायपुर को केन्द्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (सीसीआरवायएन) के तहत स्थापित किया जा रहा है। 90 करोड़ रूपए की लागत से इस संस्थान का निर्माण 24 माह में पूरा होगा। राज्य सरकार ने इस संस्थान के लिए 10 एकड़ की भूमि विभाग को उपलब्ध करा दी है। यह छत्तीसगढ़ का पहला योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र और अस्पताल होगा जो गैर संचारी रोगों जैसे मोटापा, प्रीडायबिटीज, मेटाबोलिक सिंड्रोम, व गठिया आदि के उपचार की सुविधा प्रदान करेगा।

अनुसंधान केन्द्र में बाह्य रोगी और प्रशासनिक ब्लॉक, आंतरिक रोगी ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, योग हॉल, आहार केन्द्र, मालिश और फिजियोथेरेपी अनुभाग के साथ ही अनुसंधान ब्लॉक भी स्थापित होंगे। यह केन्द्र स्पा और वेलनेस थेरेपी में प्रशिक्षण प्रमाणन पाठ्यक्रम और अनुसंधान में फेलोशिप पाठ्यक्रम संचालित करेगा।

केंद्र में वेलनेस थिरेपी में प्रशिक्षण प्रमाणन पाठ्यक्रम और अनुसंधान में फेलोशिप पाठ्यक्रम का भी संचालन होगा। इस संस्थान के शुरू होने से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रभावों के बारे में नए ज्ञान का विकास होगा।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश अपनी पुरानी पद्धतियों को संजोकर लगातार आगे बढ़ रहा है। श्री जायसवाल ने कहा कि आज धनतेरस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के रूप में जो उपहार दिया है उसे हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां भी याद करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान केंद्र के स्थापित हो जाने के बाद राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। युवा यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर सक्षम बनेंगे और स्वरोजगार को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि भारत देश योग और आयुर्वेद में सदैव अग्रणी रहा है और इस तरह के अनुसंधान केंद्रों के खुलने से इस परंपरा को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चतुर्मुखी विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार, मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है। रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, विधायक श्री खुशवंत साहेब, विधायक श्री मोती लाल साहू, आयुष विभाग के अधिकारी एवं आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित थे।

सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है रन फॉर यूनिटी : सीएम विष्णुदेव साय

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी में शामिल हुए मुख्यमंत्री, राष्ट्र की एकता-अखंडता के लिए राजधानी वासियों के साथ लगाई एकता दौड़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एकता दौड़ को दिखाई हरी झंडी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब में राजधानी वासियों के साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता के लिए दौड़ लगाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एकता दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री श्री राम विचार नेताम, मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, श्री टंकराम वर्मा, मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक सर्वश्री पुरंदर मिश्रा, श्री मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब ने भी एकता दौड़ लगाई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का पुण्य स्मरण करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान सरदार पटेल ने अंग्रेजों के खिलाफ कई बड़े आंदोलनों का नेतृत्व किया। स्वतंत्रता के बाद उन्हीं के प्रयासों से रियासतों को एक करके उन्हें स्वतंत्र भारत में शामिल किया गया। सरदार पटेल ने भारत की अखंडता अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। रन फॉर यूनिटी सभी लोगों को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस संकल्प और साहस के साथ राष्ट्र को एकजुट किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। रन फॉर यूनिटी के आयोजन का उद्देश्य फिटनेस के मंत्र को भी देशभर में फैलाना है। सभी स्वस्थ रहेंगे तो देश अपनी पूरी ऊर्जा के साथ विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ पाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को धनतेरस, दीपावली, राज्य स्थापना, अन्नकूट और छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी।

मंत्री श्री राम विचार नेताम ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पावन दिन हमें अपने देश की एकता अखंडता को बनाये रखने की प्रेरणा देता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को हम भारतवासी कभी नहीं भूल सकते। खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि रन फॉर यूनिटी देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा का संदेश देता है। सरदार पटेल ने देश की अखंडता के लिए 500 से अधिक रियासतों को एक बनाया। हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य रखा है, इसे पूरा करने के लिए हम सभी मिलकर आगे बढ़े।

बजरंग कुमार दुबे ने जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

दुर्ग (आरएनएस)। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे (राप्रसे) आज पदभार ग्रहण किया। पूर्व में वे अपर कलेक्टर दुर्ग रह चुके हैं। आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई रह चुके है। वे 2014 बैच के राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। आम जनता से जुड़ कर उनके हित में काम करने की चाह लेकर प्रशासनिक अधिकारी बने। उनका मानना है कि जरुरतमंद आम जनता के हित में कार्य करने से उन्हें सुकून मिलता है। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे का कहना है कि ग्राम पंचायत को सशक्त कर इसे ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका में वृद्धि करने का प्रयास करेंगे।

राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने दीपों के पंच पर्व धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पुजा और भाई दूज पर्व के लिए देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि दीपावली का त्यौहार हमारी समृद्ध वैभवशाली परंपरा का अभिन्न अंग है। त्यौहारों का यह अवसर हमें समाज में एकता, सद्भाव और प्रेम का संदेश देता है। श्री डेका ने कहा है कि दीपावली की जगमगाती रौशनी हमारे जीवन से अंधकार को दूर कर ज्ञान, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे। इस पर्व पर हम पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प ले। यह त्यौहार समस्त नागरिकों के लिए मंगलमय हो और उनका जीवन सुख-समृद्धि से भरपूर हो। चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पुजा और भाई दूज पर्व के लिए देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि दीपावली का त्यौहार हमारी समृद्ध वैभवशाली परंपरा का अभिन्न अंग है। त्यौहारों का यह अवसर हमे समाज में एकता, सद्भाव और प्रेम का संदेश देता है। श्री डेका ने कहा है कि दीपावली की जगमगाती रौशनी हमारे जीवन से अंधकार को दूर कर ज्ञान, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे। इस पर्व पर हम पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प ले। यह त्यौहार समस्त नागरिकों के लिए मंगलमय हो और उनका जीवन सुख-समृद्धि से भरपूर हो।

छत्तीसगढ़ का उभरता टेक जायंट, रायपुर से दुनिया के लिए नवाचार कर रहा है

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के उभरते तकनीकी उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए, रायपुर स्थित सॉफ्टवेयर कंपनी Magure Inc. वैश्विक मंच पर उन्नत डिजिटल समाधानों, स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान के साथ हलचल मचा रही है। छत्तीसगढ़ की धरती पर स्थापित, Magure तेजी से एक वैश्विक टेक लीडर के रूप में उभर रहा है, जिसने नवाचारी उत्पादों और रणनीतिक सहयोगों के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आईटी उत्कृष्टता के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित कर दिया है। हाल ही में, Magure ने दुबई सरकार के साथ मिलकर iGynte प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च करने की एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसे पूरी तरह से रायपुर में विकसित किया गया है और इसकी घोषणा दुबई के उप प्रधानमंत्री द्वारा की गई। इस सहयोग ने स्र्ड्डद्दह्वह्द्ग की गहन विशेषज्ञता और तकनीकी कौशल को उजागर किया है, रायपुर को वैश्विक टेक नवाचार में एक महत्वपूर्ण स्थान पर स्थापित किया है।

Magure की वैश्विक पहचान S Open और Wimbledon टेनिस टूर्नामेंट जैसे प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट्स तक फैली हुई है, जहाँ यह विश्व प्रसिद्ध आयोजनों को शक्ति प्रदान करने के लिए

M MAGURE

मजबूत तकनीकी समाधान प्रदान कर रहा है। कंपनी कई प्रमुख अमेरिकी स्वास्थ्य देखभाल और खाद्य वितरण कंपनियों और अमेरिकी लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की भी विश्वसनीय साझेदार है, जो विभिन्न उद्योगों में अपनी क्षमता को साबित करती है। इसके अलावा, Magure भारत सरकार के साथ भी निकटता से काम कर रही है, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहलों में अपने तकनीकी समाधान देकर योगदान दे रही है।

'दुनिया के लिए निर्माण करें' के विजन से प्रेरित होकर, Magure की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) में योगदान नए मानदंड स्थापित कर रहा है। इसके AI समाधान, जैसे कि कंप्यूटर विज़न एप्लिकेशन से लेकर उन्नत जनरेटिव मॉडल जैसे GPT तक, सभी रायपुर से विकसित किए गए हैं। ये ढ्ढ नवाचार दुनिया भर में उपयोग हो रहे हैं, जिससे रायपुर की क्षमता का परिचय दिया जा रहा है कि वह विश्व-स्तरीय तकनीक प्रदान कर सकता है।

कंपनी की विकास यात्रा और अंतरराष्ट्रीय सफलता भारत के 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के साथ मेल खाती है, क्योंकि Magure विदेशी मुद्रा में महत्वपूर्ण राजस्व अर्जित कर रही है, जिससे यह राष्ट्र के आर्थिक लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के साथ, Magure अगले कुछ वर्षों में छत्तीसगढ़ में लगभग 1, 000 उच्च गुणवत्ता वाले टेक नौकरियाँ उत्पन्न करने का लक्ष्य रखती है, जिससे राज्य के छात्रों और पेशेवरों को अपने राज्य में ही उन्नत करियर अवसर प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

रायपुर को एक उभरते टेक हब के रूप में स्थापित करते हुए, Magure केवल नवाचार को बढ़ावा नहीं दे रही है बल्कि प्रतिभा विकास को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवा अत्याधुनिक कौशल हासिल कर सकें और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली परियोजनाओं में योगदान कर सकें। जैसे-जैसे कंपनी बढ़ रही है, यह छत्तीसगढ़ की तकनीकी क्षमताओं की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित करने और राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देने के प्रति समर्पित है।

कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा, कहा- दिवाली में व्यवसायी एवं लोगों की सुविधाओं का रखें ख्याल

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की।उन्होंने दीपावली पर्व में क़ानून व्यवस्था चुस्त -दुरुस्त रखते हुए व्यवसायियों तथा लोगों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र में खरीदी- बिक्री में किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने कहा की नगरीय निकायों में पटाखा दुकान आवंटन के उपरांत सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। दुकान स्थल का सुरक्षा मानक रिपोर्ट लेने के लिए तहसीलदार, सीएमओ, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, जिला नगर सेनानी की टीम गठित करें और रिपोर्ट लें।सभी दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। अनुपालन नहीं करने वाले दुकानदारों के दुकान का आवंटन निरस्त करें। कलेक्टर ने नगरीय निकायों में साफ सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएमओ, तहसीलदार एवं एसडीएम प्रतिदिन नगरीय निकायों में साफ- सफाई की कड़ाई से निगारनी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आगामी 5 नवम्बर को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में आयोजित होने वाले राज्योत्सव की तैयारी की समीक्षा की और सबंधित अधिकारियों को समय पर तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टालों की साज- सज्जा विभागीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए गरिमापूर्ण होनी चाहिए।

पीएम आवास निर्माण हेतु नि:शुल्क रेत व्यवस्था - कलेक्टर ने राज्य शासन की मंशानुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण के लिए हितग्राहियों को पारदर्शी ढंग से नि:शुल्क रेत उपलब्ध कराने हेतु विकसित किये गए सॉफ्टवेयर में सावधानीपूर्वक प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को नि:शुक रेत परिवहन ट्रेक्टर या छोटी वाहन में करना होगा। ऑनलाइन एंट्री के लिए रोजगार सहायक व तकनीकी सहायक को अधिकृत किया गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./15537/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 29-10-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 15537
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653C00162** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PADMA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. BENIRAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRITAM SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **YADURAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA & SHAPATH PATR**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./15463/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 29-10-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 15463
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652B00368** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NASIM AKTARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **H. ISMAEL KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RUKHSAR KHATOON** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O MOHAMMAD IMRAN KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./15531/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 29-10-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 15531
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652B00519** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VINAY KUMAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. NETRAM SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOHAMMAD ARSHAD BILAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **MD ANIS KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **गुढ़ियारी कॉलोनी,** रायपुर में निर्मित जनता भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/ भूखण्डों/ भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांक जनता-117 गुढियारी **1. श्री सगुनी पासवान पिता स्व. श्री श्रीराम पासवान 2. श्रीमती चन्द्रकला देवी पति श्री सगुनी पासवान** को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित्त किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 22.06.2000 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के दान हेतु दिनांक 14.10.2024 को निष्पादित दान इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्री सिद्धार्थ कुमार पासवान पिता श्री सगुनी पासवान** के नाम से दान करने के लिए दान अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के दान के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी **बोरियाकला, रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत एल.आई.जी फ्लैट क्र.-706 ब्लॉक-45, भू-तल श्रीमती वसुमाला साहू पति श्री टोमन लाल साहू,** के नाम पर इस कार्यालय का आंबटन आदेश क्र. 11305 दिनांक 16.11.2009 के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 21.01.2010 को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र क्रमांक 1088 दिनांक 01.03.2012 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्रीमती वसुमाला साहू पति श्री टोमन लाल साहू,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती वंदना गुप्ता पति श्री राकेश कुमार गुप्ता निवासी:- एल.आई.जी फ्लैट कं-143 ब्लॉक-09 तृतीय तल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरियाकला रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

मतदाता सूची का हुआ प्रारंभिक प्रकाशन, 28 नवम्बर तक दे सकते हैं दावा-आपत्ति

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई संपन्न

मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु किया गया अपील

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-भारत निर्वाचन आयोग, नई-दिल्ली के निर्देशानुसार 29 अक्टूबर, 2024 (मंगलवार) को एकीकृत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन सूरजपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र क्रमशः 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव एवं 06 प्रतापपुर में किये जाने के उपरांत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एस. जयवर्धन के निर्देशन में श्री नरेन्द्र पैकरा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सर्व मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक ली गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन में दौरान जिले में कुल 296553 पुरुष मतदाता , 299313 महिला मतदाता एवं 05 तृतीय लिंग इस प्रकार कुल 595871 मतदाता दर्ज है। जिले में विधानसभा क्षेत्र 04 प्रेमनगर में 275 मतदान केंद्र , विधानसभा क्षेत्र 05 भटगांव में 309 मतदान केन्द्र सूरजपुर में तथा 06 मतदान केन्द्र सरगुजा जिले में एवं विधानसभा क्षेत्र 06 प्रतापपुर में 152 मतदान केन्द्र सूरजपुर जिले में तथा 144 मतदान केन्द्र बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के अंतर्गत सम्मिलित है। विधानसभा क्षेत्र 10 अम्बिकापुर के 01 मतदान केन्द्र सूरजपुर जिले में शामिल है। इस प्रकार सूरजपुर जिले में कुल 740 मतदान केन्द्र आते है। मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक जिले के सभी मतदान केंद्रों में दावा/आपत्ति प्राप्त किये जायेगें। दावा/आपत्ति प्राप्त करने की अवधि के दौरान 09 नवम्बर (शनिवार), 10 नवम्बर (रविवार), 16 नवंबर(शनिवार), 17 नवंबर (रविवार) को विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा। प्राप्त दावा/आपत्तियों का निराकरण दिनांक 24 दिसम्बर, 2024 तक किया जायेगा। प्राप्त दावा/आपत्ति के निराकरण के उपरांत दिनांक 06 जनवरी, 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिनांक 01 अक्टूबर 2025 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने हेतु अग्रिम आवेदन पत्र प्राप्त किये जायेगें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा छूटे हुये सभी मतदाताओं को शत-प्रतिशत अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु अपील किया गया है। राजनीतिक दलों की बैठक में भारतीय जनता पार्टी से बसंत कुशवाहा, इण्डियन नेशनल कांग्रेस से पुनीत गुप्ता, बहुजन समाज पार्टी से श्री संदीप कुशवाहा, वीरेंद्र कुशवाहा एवं कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से सुरेन्द्र लाल नेटी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

त्यौहार सीजन: नकली मिठाईयों से रहे सावधान

कोरबा(विश्व परिवार)। दीपावली के पर्व एक दिन शेष रह गई है इस मौके पर पूजा पाठ के साथ साथ घर सजाने और एक दूसरे का मुंह मीठा कराने का प्रचलन काफी पुराना है. ऐसे में एक दूसरे को गिफ्ट के साथ मिठाइयां भी दी जाती हैं. ऐसे में मिठाई की डिमांड बढने पर बाजार में नकली मिठाइयों की खेप भी आ जाती है. मुनाफा कमाने के चक्कर में जालसाज बाजार में नकली और कैमिकल कलर वाली मिठाइयां बेचते हैं जो सेहत के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकती है. चलिए आपको बताते हैं कि नकली मिठाई शरीर को किस तरह से नुकसान पहुंचा सकती है। संबंधित विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं करने से दुकानदारों के हौसले बुलंद है दुकानदार त्योहार से पहले ही संबंधित विभाग को चढ़ावा चढ़ा दिए हैं यही वजह है कि विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं किया जाता है और दुकानदारों को एवन पौने दामों पर नकली मिठाइयों को परोसा जाता है। आपको बता दें कि नकली मिठाई बनाने के लिए जालसाज खोए और दूध की जगह फर्टिलाइजर, आलू, आयोडीन, डिटर्जेंट, सिंथेटिक दूध, व्हाइटनर, चॉक, यूरिया और तरह तरह के केमिकल का यूज करते हैं. इतना ही नहीं मिठाई को सजाने के लिए चांदी के वर्क की जगह एल्यूमिनियम के वर्क का यूज किया जा रहा हैजो सेहत के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है.मिठाई में रंग के नाम पर केमिकल मिलाने, नकली मावा, नकली दूध और छेना के उपयोग से शरीर कई तरह के खतरों की जद में आ जाता है.

देश के हर नागरिक में राष्ट्रीय निष्ठा की भावना का विकास हो - अभिषेक

कोरबा(विश्व परिवार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला कार्यवाह अभिषेक तिवारी ने कहा है कि अतीत से लेकर अब तक भारत कई प्रकार की आंतरिक और बाह्य चुनौतियों से जूझता रहा है और हर समय दुश्मनों का मुकाबला करने के साथ मुंह तोड़ जवाब भी देता रहा है। तमाम तरह की कठिनाइयों के बावजूद बात कुछ ऐसी है कि भारत का अस्तित्व कायम है। अब उसे हर क्षेत्र में समग्र रूप से आगे बढ़ाने का काम जारी है। जरूरत इस बात की है कि देश के हर नागरिक में राष्ट्रीय निष्ठा की भावना का विकास हो। छुरीकला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा सांस्कृतिक मंच परिसर में आयोजित विजयादशमी उत्सव में श्री तिवारी ने मुख्य वक्ता के रूप में यह बात कही। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना राष्ट्रीय मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों की समझ बढ़ाने के साथ-साथ हिंदू शक्ति के जागरण के लिए हुई थी। 99 वर्षों में संघ ने न केवल भारत बल्कि 56 देशों में अपनी पहुंच बनाई है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत केवल हमारे देश के वीर योद्धा और महापुरुष ही होना चाहिए जिन्होंने राष्ट्र के लिए अलग-अलग मायने में अपनी भूमिका सुनिश्चित की। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि छुरीकला पूर्व जमींदारी परिवार से जुड़े कुंवर राजवर्धन प्रताप सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में विजयादशमी और संघ के सिद्धांतों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि एक अच्छी संकल्पना के साथ संघ राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा है। यह बात सही है कि जब देश को सही नेतृत्व मिलता है तो अनुकूलताएं स्थापित होती है और कई प्रकार की चिंताओं में कमी आती है।

दीपका वर्कशाप में डंपर से डीजल चोरी करते तीन कर्मी पकड़े गए

कोरबा(विश्व परिवार)। दीपका खदान के वर्कशॉप में कार्यरत तीन कर्मियों को वाहन से डीजल की चोरी करते सीआइएसएफ ने रंगे हाथ पकड़ा। बाद में तीनों कर्मियों को पुलिस के सौंप दिया गया। साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की दीपका खदान में पदस्थ सीआइएसएफ के सुरक्षा निरीक्षक मोहम्मद असलम ने दीपका थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 24 अक्टूबर की रात तीन बजे सीआइएसएफ कंट्रोल रूम से सूचना मिला कि दीपका वाशिंग वर्कशाप में खड़े डंपर क्रमांक 1866 से डीजल चोरी की जा रही है। इस पर टीम स्थल पर पहुंची और पांच जरिकेन में 110 लीटर डीजल की चोरी करते तीन मेंटेनेंस स्टाफ जयप्रकाश, संजय कुमार, सुमीत कुमार को पकड़ा। सुरक्षा निरीक्षक ने घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारी को दी। इसके साथ ही दीपका वर्कशाप से डीजल फिलिंग टीम को बुला कर जांच कराया गया। तो डंपर में 110 लीटर डीजल कम होना पाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों को घटना से अवगत करा कर चोरी गए डीजल के साथ आरोपितों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मामले में तीनों के विरुद्ध धारा 3(5), 303(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया है।

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया ''राष्ट्रीय एकता दौड़'' का शुभारम्भ

जिला प्रशासन के अधिकारियों कर्मचारियों ने स्कूली बच्चों के साथ लगाई दौड़

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) -सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर ''राष्ट्रीय एकता दौड़'' का आयोजन किया गया। यह दौड पुराना रेस्ट हाउस, जिला कोर्ट के सामने से प्रारंभ होकर जिला संयुक्त कार्यालय में संपन्न हुई। दौड़ में अधिकारी, कर्मचारी के साथ स्कूली बच्चे व आम नागरिको ने बड़े उत्साह के साथ दौड़ में भाग लिया। इस दौड़ का शुभारंभ कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस दौड़ के माध्यम से कलेक्टर ने उपस्थित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, आम नागरिकों, स्कूली बच्चों को देश भक्ति, एकता, अखंडता साथ ही समाज में शांति व सद्भावना बनाए रखने तथा देश के विकास एवं प्रगति के लिए समर्पित रहने व एकता दिवस की शपथ दिलाई। इस दौड़ के समापन पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीएफओ श्री पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, एसडीएम श्री जगन्नाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री शरदेन्दु कुमार शुक्ल व अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

एनटीपीसी ने किया सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विक्रेता - वेंडर मीट

कोरबा(विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में एक महत्वपूर्ण विक्रेताध् वेंडर मीट का आयोजन किया, जो व्यावसायिक प्रथाओं में ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व पर जोर देता है। यह कार्यक्रम 26 अक्टूबर 2024 को आयोजित हुआ और इसे एनटीपीसी कोरबा के परियोजना प्रमुख राजीव खन्ना ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जो नैतिक व्यापार मानकों को बनाए रखने में ज्ञान और ज्ञान की खोज का प्रतीक है। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने एक शपथ ली, जिसमें उन्होंने अपनी-अपनी गतिविधियों में ईमानदारी और सतर्कता के सिद्धांतों को बनाए रखने का वचन दिया।इस कार्यक्रम में 50 से अधिक विक्रेताओं ने सक्रिय भागीदारी की, जो एनटीपीसी कोरबा के साथ सहयोग की भावना में अपने समर्पण को दर्शाते हैं। इस समारोह में एनटीपीसी कोरबा के अन्य सम्माननीय वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया, जिनमें अरनब मित्रा, महाप्रबंधक (ओ एंड एम)य सोमनाथ भट्टाचार्य, महाप्रबंधक (रखरखाव)य एम.वी. साठे, महाप्रबंधक (एश डाइक प्रबंधन)य के.एन. सिंह, सी एंड एम के प्रमुखय आर.पी. शर्मा, सतर्कता प्रमुखय और शशि शेखर, मानव संसाधन प्रमुख शामिल हैं।इस कार्यक्रम में एक व्यापक प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें आपूर्ति और विक्रेता प्रबंधन में सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया, जिसका उद्देश्य सभी स्तरों पर नैतिक प्रथाओं की संस्कृति को बढ़ावा देना था। राजीव खन्ना ने एनटीपीसी की सफलता में विक्रेताओं की भूमिका और यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया कि सभी गतिविधियाँ उच्चतम ईमानदारी के मानकों के साथ संचालित हों। हमारे विक्रेता हमारी मिशन में महत्वपूर्ण साझेदार हैं, और पारदर्शी तरीके से मिलकर काम करके हम अधिक कुशलता और जिम्मेदारी हासिल कर सकते हैं, उन्होंने कहा। विक्रेता मीट केवल सतर्कता के मूल्यों को मजबूत करने का एक मंच नहीं था, बल्कि विक्रेताओं के लिए अपने विचारों और अनुभवों को साझा करने का एक अवसर भी था, जिससे सहयोग और आपसी विकास का रास्ता प्रशस्त हो सके।एनटीपीसी कोरबा सतर्कता और नैतिक आचार-व्यवहार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे सभी हितधारक संगठन के उत्कृष्टता के दृष्टिकोण में सकारात्मक योगदान कर सकें।

एक हफ्ते तक भगवान राम की भक्ति में लीन रहा नेतनागर

रायगढ़,(विश्व परिवार)। शहर से लगे ग्राम नेतनागर में श्री अखंड राम सप्ताह यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इसमें गांव सहित आसपास क्षेत्र की कीर्तन मंडिलयां शामिल हुईं। पूरे एक हफ्ते तक पूरा गांव भगवान राम की भक्ति में लीन रहा। अंतिम दिन कीर्तन मंडलियों के साथ ग्रामीणों ने पूरे गांव का भ्रमण किया। इस अवसर पर विशाल भंडारा लगा, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। जिले के ऐतिहासिक ग्राम नेतनागर में पिछले 200 साल से श्री अखंड राम सप्ताह यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जो साल-दर-साल और भी भव्य होते जा रहा है। यहां होने वाले राम सप्ताह यज्ञ का लेकर आसपास गांवों में भी उत्साह का माहौल रहता है। कीर्तन मंडलियां इस अखं राम सप्ताह यज्ञ में शामिल होने लालायित रहती हैं। इस बार यह आयोजन 16 से 23 अक्टूबर तक किया गया। 16 अक्टूबर को भव्य कलशयात्रा निकाली गई, जो पूरे गांव का भ्रमण कर आयोजन स्थल पहुंची। यहां विधि-विधान के साथ कलश स्थापना के बाद राम नाम का जप प्रारंभ हुआ, जो पूरे एक सप्ताह तक चला। कीर्तन मंडलियों के साथ रामनाम का जप करने ग्रामीणों का तांता लगा रहा। समापन दिवस पर 23 अक्टूबर गांव का भ्रमण किया गया। यह भ्रमण शाम 4 बजे से प्रारंभ हुआ, जो देर रात 12.30 बजे तक जारी रहा।

संक्षिप्त समाचार

अनुपम फिलिप महाराष्ट्र के राजौरा विधानसभा का समन्वयक नियुक्त

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस ने महाराष्ट्र चुनाव में देशभर के कॉंग्रेस नेताओं को विधानसभा समन्वयक नियुक्त किया है। राष्ट्रीय चुनाव वॉररूम के चेयरमैन एस.ससिकांथ सेंथिल ने प्रदेश कॉंग्रेस संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता अनुपम फिलिप को महाराष्ट्र प्रदेश के राजौरा विधानसभा का विधानसभा समन्वयक नियुक्त किया है। श्री फिलिप को राजौरा विधानसभा में संगठनात्मक और चुनावी कामकाज पर समन्वयपूर्ण निगरानी रखने का दायित्व मिला है। श्री फिलिप ने कहा कि महाराष्ट्र में कॉंग्रेस का पक्ष मज़बूत है। मतदाताओं के आशीर्वाद से कॉंग्रेस वहाँ सबसे बड़ा जनादेश प्राप्त करेगी और सरकार बनायेगी।

अभद्र व्यवहार से भड़की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

बिलासपुर(विश्व परिवार)। बिलासपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। जिससे नाराज महिलाओं ने रात में कार्यालय के सामने हंगामा किया। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया है कि, उन्हें रात में प्रशिक्षण और काम दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि, वे इस मामले की शिकायत कलेक्टर से करेंगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि, उन्हें आयुष्मान कार्ड बनाने का अतिरिक्त काम दिया जा रहा है। जिसकी वजह से स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें रात में प्रशिक्षण के लिए बुलाया है। आरोप है कि दिनभर काम करने के बाद रात में भी प्रशिक्षण लेने जाना पड़ता है। जिससे उनके घरेलू काम प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों के कारण रात में बाहर जाने में भी उन्हें डर लग रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि, उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मिलाकर मात्र 10 हजार का वेतन दिया जाता है, जबकि काम की मात्रा कई गुना अधिक है।

हाई टेंशन तार की चपेट में आकर तीन की मौत

मुंगेली(विश्व परिवार)। मुंगेली जिले के सरगांव थाना क्षेत्र में सोमवार को हाईटेंशन तार की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया है, जिसका बिलासपुर सिम्स में उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार पथरिया रोड पर चार लोग लाइट झालर लगाने का काम करने के लिए लिफ्टर सीढ़ी लेकर पैदल जा रहे थे। इस दौरान सरगांव अनुराज पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर लगे हाईटेंशन लाइन में लिफ्टर सीढ़ी के संपर्क में आने से चारों करंट की चपेट में आ गये और झूलस गये। इस हादसे में मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए बिलासपुर सिम्स में भर्ती किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही। वहीं फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

जिले में पहली बार 3डी डोम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के डी.ए.वी. जेंजरा में पहली बार 3क् डोम कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय द्वारा पंजीकृत हैं और स्पेस व उसे परे की यात्रा के लिए हैं। उक्त विद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजरेखा शुक्ला के निर्देशन में तारामंडल कार्यक्रम का संचालन किया गया। इसमें छात्रों ने 3डी में वातानुकूलित गुंबद के अंदर 4के वीडियो और 360 डिग्री दृश्य के साथ ब्रह्मांड का अन्वेषण किया। कार्यक्रम में विभिन्न थीम दिखाए गए, जिनमें चंद्रमा की यात्रा, पृथ्वी आकाशगंगा का निर्माण और ब्लैक होल शामिल हैं। थीम को कक्षा स्तर के आधार पर विभाजित किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी तक के छात्रों को 3डी इफेक्ट के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। यह इंटरएक्टिव 3डी लर्निंग छात्रों के मस्तिष्क की जिज्ञासा को प्रोत्साहित करती है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ जोड़ा गया है।

कलेक्टर रोहित व्यास ने कलेक्टोरेट परिसर का किया निरीक्षण

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने कलेक्टोरेट के विभिन्न शाखाओं को निरीक्षण किया। सभी विभाग प्रमुखों को अपने कार्यालय की नियमित साफ-सफाई, पुराने और कबाड़ सामानों को हटाने, जाले की साफ-सफाई, पानी के लिकेज को ठीक करने, टूटी हुई कुर्सियों को हटाने, अधिकारी-कर्मचारियों के टेबल पर नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम.......

सार यह कि भारतीय आबादी का बड़ा हिस्सा आज भी गरीबी का मारा है। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। अनेक विशेषज्ञों ने इसे अति न्यूनतम पैमाना बताया है। विश्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में माना है कि 2020 (यानी कोरोना काल) के बाद से भारत सहित दुनिया में गरीबी घटने की प्रक्रिया ठहर गई है। बैंक का ताजा आकलन है कि भारत में इस समय 12 करोड़ 90 लाख लोग चरम गरीबी की अवस्था में जी रहे हैं। विश्व बैंक का चरम गरीबी का पैमाना 2.15 डॉलर प्रति दिन (परचेजिंग पॉवर पैरिटी- पीपीपी- के अर्थ में) से कम खर्च क्षमता है। पीपीपी पर यह रकम फिलहाल लगभग 44 रुपये प्रतिदिन बैठती है। वैसे विश्व बैंक ने चूंकि भारत को मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में रखा हुआ है, इसलिए उसका कहना है कि भारत पर चरम गरीबी का पैमाना 6.85 डॉलर प्रति दिन (पीपीपी में तकरीबन 139 रुपये) लागू होना चाहिए। इस कसौटी पर देखें, तो भारत में 43 करोड़ से अधिक लोग चरम गरीबी की अवस्था में हैं। यह संख्या 1990 में भारत में चरम गरीबी सीमा के नीचे आने वाले कुल लोगों की संख्या से ज्यादा है (तब भारत की जनसंख्या लगभग 88 करोड़ थी)। विश्व बैंक ने भारत सरकार की तरफ से हाल में जारी घरेलू उपभोग एवं खर्च सर्वे रिपोर्ट- 2022-23 में अपनाए गई विधि की आलोचना की है। इस सर्वे के आधार पर सरकार ने भारत में गरीबी मिटाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति का दावा किया था। यानी कुल सार यह है कि भारत में गरीबी के मारे लोग आज भी बड़ी संख्या में हैं। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। अनेक विशेषज्ञों ने इसे मनमाने ढंग से तैयार किया गया न्यूनतम पैमाना बताया है। अगर गौर करें कि मध्यम आय श्रेणी वाले भारत जैसे देश में रोज 139 रुपये खर्च क्षमता वाले व्यक्ति को विश्व बैंक गरीब नहीं मानता, तो समझा जा सकता है कि यह फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम है। आखिर इतनी रकम के साथ कोई व्यक्ति किस स्तर का उपभोग कर सकता है? बहरहाल, इस फॉर्मूले के मुताबिक भी सबसे तेजी गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था' की यह सूरत उभरी है, हमारे विकास की दिशा क्या है, यह खुद जाहिर हो जाता है।

राष्ट्रभाव की शिक्षा की पुरोधा-भारत की बेटी

भगिनी निवेदिता

भगिनी निवेदिता, स्वामी विवेकानंद जी की शिष्या, भारतीय समाज में शिक्षा और सुधार की अद्वितीय प्रतीक हैं। उनका जन्म 28 अक्टूबर 1867 को आयरलैंड में मार्गरेट एलिजाबेथ नोबल के रूप में हुआ। स्वामी विवेकानंद ने उन्हें निवेदिता और भारत ने उन्हे भगिनी कहकर संबोधित किया, जो उनके समर्पण और उनके प्रति के प्रेमादर का प्रतीक है। निवेदिता जी ने अपने जीवन को महिला शिक्षा के लिए समर्पित किया और इसे राष्ट्र के उत्थान का आधार माना।

सेवा और समर्पण

स्वामी विवेकानंद ने भगिनी निवेदिता को उनके इंग्लैंड के कार्य का सर्वोत्तम पुष्प कहा। उनका नाम 'निवेदिता' इस तथ्य को दर्शाता है कि उन्होंने स्वयं को भगवान और धर्म के प्रति समर्पित किया। निवेदिता जी का जीवन सेवा और समर्पण का प्रतीक था। उनके दादा और नाना स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे, और पिता धर्मोपदेशक थे। 1884 में इंग्लैंड में अध्यापन आरंभ करने के बाद, 1892 में उन्होंने रस्किन स्कूल की स्थापना की। धर्म के विषय में उनकी सोच व्यापक थी - वे मानती थीं कि धर्म एक गहन विज्ञान है। ??13 नवंबर 1818 को, काली पूजा के पवित्र दिन, उन्होंने बालिका विद्यालय की स्थापना की। प्लेग महामारी के दौरान, स्वामीजी के साथ मिलकर उन्होंने सेवा कार्य किया।

शिक्षा की परिवर्तनकारी प्रक्रिया

भगिनी निवेदिता ने शिक्षा को एक परिवर्तनकारी प्रक्रिया माना, जिसमें महिलाओं की मानसिकता, आत्म-विश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने अनुभव किया कि जब महिलाएँ शिक्षित होती हैं, तो वे न केवल अपने परिवारों, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। शिक्षित महिलाएँ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं और उन्हें समान अधिकार एवं अवसर मिलने चाहिए। उनका विचार था कि शिक्षा केवल सूचना प्रदान करने का माध्यम नहीं, बल्कि यह व्यक्ति के चित्त की वृत्तियों को नियंत्रित करने और उत्कृष्ट चरित्र का निर्माण करने का साधन है। निवेदिता जी ने महिला शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार किए, जिससे अनेक महिलाओं को शिक्षा का लाभ प्राप्त हुआ। उनका दृष्टिकोण यह था कि शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में सहायता करती है। उनका उद्देश्य था कि महिलाएँ न केवल सामान्य शिक्षा प्राप्त करें, बल्कि विज्ञान, कला और अन्य विषयों में भी प्रशिक्षण लें। भ.निवेदिता जी ने कई संस्थानों की स्थापना की और महिलाओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किए, जो उन्हें सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक रहे। उनकी शिक्षण विधियाँ आज भी प्रासंगिक हैं और उनकी शिक्षाएँ न केवल उनके समय की महिलाओं को प्रेरित करती हैं, बल्कि आज भी स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में याद की जाती हैं। भारतीय शिक्षा प्रणाली में भगिनी निवेदिता ने भारत की परंपरा, संस्कृति, ज्ञान को महत्व देने का दृष्टिकोण दिया. वह काल ?सा था कि अंग्रेजो के गुलामी में अपने स्वत्व का विस्मरण था, भारतीयता के प्रति भारत के ही मन में अनास्था आ रही थी, ऐसे में भारत की संस्कृति, वेद ,पुराण की बाते व्यावहारिक करने की शिक्षा भगिनी ने अपने ओजस्वी वाणी से दी है. वंदे मातरम् इन शब्दों के उच्चारण से भी अंग्रेज कोड़े लगाते थे, कारावास में डालते थे तब अपने बालिका विद्यालय की प्रार्थना वंदे मातरम् रखी थी. जिस का रोज गायन राष्ट्र भक्ती रोम रोम में जागृत करती थी.

महिला शिक्षा

भ.निवेदिता ने महिलाओं की शिक्षा और मुक्ति को केवल किताबी शिक्षा या वित्तीय स्वतंत्रता से नहीं बल्कि उच्च लक्ष्य और व्यापक भलाई के लिए स्वयं को बलिदान करने की इच्छा और आकांक्षा से जोड़ा। महिलाओं की शिक्षा और मुक्ति का अर्थ व्यक्ति का उत्थान नहीं है; इसका अर्थ है दूसरों के लिए स्वयं को बलिदान करने के लिए तैयार रहना। फर्क केवल इतना है कि पहले भारतीय महिलाओं से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे अपने परिवार के लिए ऐसा करें, अब उनसे कहा जा रहा है कि वे महान राष्ट्रीय बलिदान में स्वयं को समर्पित करें और अपना जीवन सार्थक बनाएं।

भगिनी निवेदिता ने महिला शिक्षा की परिभाषा निम्नलिखित शब्दों में प्रस्तुत की है:

1. स्त्री यथार्थ शक्ति पूजा : जब महिलाएँ शिक्षित और सशक्त होती हैं, तभी वे समाज में परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। उनका मानना था कि महिलाओं का सम्मान और उनकी शक्ति की पूजा समाज के सशक्तीकरण का मूल मंत्र है।

2. धर्म शिक्षा का केंद्र बिंदु : धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि मानवता की सेवा और उच्च नैतिकता का मार्ग है। उन्होंने शिक्षा को धर्म का अभिन्न अंग मानते हुए इसे आत्म-निर्माण और समाज सुधार का साधन माना।

3. आदर्श एवं त्याग की शिक्षा : निवेदिता जी ने आदर्श और त्याग को शिक्षा के अनिवार्य तत्व माना। वे मानती थीं कि केवल ज्ञान प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उच्च मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण भी आवश्यक है। उनके अनुसार, एक सच्चे नागरिक की पहचान उसके आदर्शों और त्याग की भावना से होती है।

4. लौकिक शिक्षा : लौकिक शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की क्षमता विकसित करना है। यह व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में संतुलन बनाए रखने का साधन है।

5. आत्मरक्षा की शिक्षा : निवेदिता जी ने आत्मरक्षा की शिक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण माना। उनका मानना था कि एक शिक्षित और सशक्त महिला अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम होनी चाहिए। यह केवल शारीरिक सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्म-विश्वास का भी प्रतीक है।

6. गृह विज्ञान की शिक्षा : उन्होंने गृह विज्ञान की शिक्षा को महिलाओं की आत्मनिर्भरता और प्रबंधन क्षमताओं को विकसित करने का माध्यम माना। यह उन्हें अपने परिवार की भलाई के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करती है।

7. विज्ञान की शिक्षा : निवेदिता जी का मानना था कि विज्ञान की शिक्षा से महिलाओं में तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित होती है। यह उन्हें नई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है।

8. संस्कृत भाषा की शिक्षा : संस्कृत भाषा की शिक्षा को उन्होंने भारतीय संस्कृति और दर्शन की जड़ों से जोड़कर देखा। उनके अनुसार, यह शिक्षा न केवल भाषा का ज्ञान देती है, बल्कि संस्कार और नैतिक मूल्य भी सिखाती है।

9. राष्ट्रीयता की शिक्षा : भगिनी निवेदिता ने राष्ट्रीयता की शिक्षा को अत्यंत आवश्यक माना। यह विद्यार्थियों में देश प्रेम और सेवा का भाव विकसित करती है और उन्हें अपने देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाती है।

10. धार्मिक शिक्षा : उन्होंने धार्मिक शिक्षा को नैतिक और आध्यात्मिक विकास का आधार माना। निवेदिता जी के अनुसार, यह शिक्षा मानवता की सेवा और सहिष्णुता के सिद्धांतों को सिखाती है।

11. व्यावसायिक शिक्षा : व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता को उन्होंने प्रमुखता दी। यह उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता और समाज में एक सशक्त स्थान दिलाने का माध्यम है।

भ.निवेदिता उस शिक्षा की आलोचक थीं जो 'एक बंगाली लड़की को फ्रेंच या पियानो' सिखाती है ; इसके बजाय, उन्होंने भारतीय महिलाओं की वास्तविक शिक्षा के बारे में बात की, 'उन्हें भारत के बारे में सोचने में सक्षम बनाना', जो उन्हें 'एक ऐसा व्यक्ति बनाएगा जिसके साथ जुड़कर विश्व के महानतम मस्तिष्क अभिमान की अनुभूती करेंगे।' भगिनी निवेदिता के अनुसार, इस शिक्षा का उद्देश्य 'अपनी बेटियों को अपने देश को देखने के लिए तैयार करना है।' 'भारतीय महिला की भविष्य की शिक्षा' के संबंध में, निवेदिता ने इतिहास के अध्ययन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। देश के लिए प्यार देश के ज्ञान पर आधारित है। किसी को इसके इतिहास और भूगोल की स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए। इस संबंध में, उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रीयता की अवधारणा... इसी तरह, नागरिक भावना हमारे अपने शहरों, उनकी स्थिति और युग दर युग में उनके परिवर्तनों के इतिहास के अध्ययन से प्राप्त की जा सकती है।' गुलामी की मानसिकता में जकड़े पड़े भारत के समाज में अपने संस्कृति के प्रति आदर पुनर्जजीवित करने का कार्य भगिनी निवेदिता जी ने किया

सांस्कृतिक पुनरुद्धार

भारतीय कलाओं के पुनरुद्धार में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कई कलाकारों जैसे रबिंद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बसु को प्रेरित किया, जिससे भारतीय संस्कृति को नया जीवन मिला। स्वामी विवेकानंद के सानिध्य में, उन्होंने हिंदू धर्म को अपनाया और स्वतंत्र भारत का ध्वज गेरुआ रंग का रखा, जिसमें दधीचि की अस्थियों का वज्रचिन्ह अंकित था। भगिनी निवेदिता के विचार और कार्य आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनका योगदान न केवल शिक्षा में, बल्कि समाज सुधार में भी महत्वपूर्ण है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि एक शिक्षित और जागरूक समाज का निर्माण कैसे किया जा सकता है। उनके विचारों ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी प्रेरणा से हम आगे बढ़ सकते हैं, एक शिक्षित और सशक्त भारत की ओर। 28 अक्टूबर भगिनी निवेदिता की जयंती पर हम महिलायें उन्हे शतशः वंदन करती हैं, जिन्होंने हमें देश राष्ट्र के प्रति के भावपूर्ण व्यवहार की शिक्षा दी है.

आलेख

कैदी ईश्वर से अपनी मौत मनाया करते थे, ताकि मुक्ति मिले.........!

शंकर शरण

यह सोवियत रूस में 1950 के दशक में जानी-मानी बात थी कि लाखों लाख रूसी कैदियों से जो अपराध जबरन कबुलवाये गये, वे वस्तुत निरपराध लोग थे। पर बाहरी दुनिया को इस की कोई खबर न थी। इक्के-दुक्के व्यक्तियों के बताने पर उसे अतिरंजित आलोचना समझा जाता था, जो इतने अविश्वसनीय लगते थे! पर वास्तविकता उस से भी अधिक भयावह थी। गुलाग आर्किपेलाग की विरासत -2 सोवियत व्यवस्था में विविध शहरों को कोटा देकर भी गिरफ्तारियाँ और दंड दिए जाते थे। फलाँ शहर या जिले में इतनी संख्या में %जनता के दुश्मनों' को पकडऩा है। यह सोवियत खुफिया पुलिस वालों को मिलने वाले ईनाम और तरक्की से भी जुड़ा था! सो, पुलिस अधिकारी ऊपर वालों से आग्रह करते थे कि उन्हें और भी %जनता के दुश्मन' पकडऩे दिया जाए। यह सनक इस हद तक थी कि द्वितीय विश्व युद्ध में लडऩे वाले रूसी सैनिक जो जर्मन सीमा में घुसे थे, उन में भी बहुतों को गिरफ्तार किया गया। सिर्फ इस संदेह में कि चूँकि वे यूरोप के खुले, पूँजीवादी समाज का स्वतंत्र जीवन देख आए थे, तो जरूर समाजवाद के प्रति शंकालु हो गये होंगे! फिर जो रूसी सैनिक जर्मनों के बंदी होकर उधर महीनों रहे थे, उन्हें युद्ध समाप्ति के बाद लौटाये जाने पर सब को थोक भाव में बंदी बनाकर गुलाग भेज दिया गया। असंख्य वैसे रूसी सैनिक स्वदेश लौटना नहीं चाहते थे, जिन्हें ब्रिटिश और अन्य यूरोपीय सरकारों ने जबर्दस्ती वापस भेजा। (जॉर्ज ऑरवेल ने इस का प्रत्यक्ष विवरण नोट किया था, लेकिन इस घटना को यूरोपीय प्रेस ने लुप्तप्राय कर दिया क्योंकि तब सोवियत संघ हिटलर-विरोधी मोर्चे का अंग था)। उन रूसी सैनिकों में कुछ ने रास्ते में आत्महत्या कर ली, उन्हें मालूम था कि उन के साथ क्या होने वाला है। सब लौटे रूसी बंदी सैनिकों पर भी वही राजनीतिक' और क्रांति-विरोधी विचार' के अपराध की धाराएं लगाकर यातना शिविरों में भेज दिया गया। यह धाराएं इतना विस्तार घेरती थीं कि वैसे अपराधियों के परिवारजन और संबंधी, मित्र भी स्वत संदिग्ध और अक्सर अपराधी भी करार देकर बंदी बना लिये जाते थे। एक विशेष श्रम-यातना शिविर %जनता के दुश्मनों की पत्नियों का था। यानी जिस व्यक्ति को बंदी बनाया गया, उस की पत्नी भी निश्चित दुश्मन श्रेणी में संदिग्ध थी। उन के नाबालिग बच्चे भी बंदी बनाए जाते थे, ताकि बड़े होने पर सरकार के विरुद्ध शत्रुता न कर सके। जैसा सोवियत प्रोसेक्यूटर निकोलाई क्रिलेन्को ने कहा था, हमें अपने को न केवल अतीत बल्कि भविष्य के शत्रुओं से भी बचाना है। दंड के रूप भी जारशाही जमाने की तुलना में विविधता भरे और अधिक से अधिक भयावह थे। जार के जमाने में जेल भोगे रूसी लेखक दॉस्ताएवस्की ने अपने नोट्स फ्रॉम द हाउस ऑफ द डेड' में जेल के जो विवरण लिखे हैं वे सोवियत जेल और गुलाग के विवरणों के सामने मानो स्वर्ग जैसे प्रतीत होते हैं! सोल्झेनित्सिन नोट करते हैं कि जब रूसी साम्राज्ञी कैथरीन द ग्रेट ने लेखक रादिश्चेव (1791 ई. लगभग) को कैद किया था, जो उसे यातना नहीं दी गई थी। उस के संबंधियों को भी बंदी बना लेने का ख्याल किसी को सपने में भी नहीं आया था। बल्कि रादिश्चेव जानते थे कि उन का बेटा बड़ा होकर इंपीरियल आर्मी में अफसर बनेगा, चाहे खुद रादिश्चेव का कुछ भी हो। उसी तरह, जारशाही में लेनिन के सगे भाई को आतंकवादी कार्रवाई के दंड में फाँसी हुई थी। पर लेनिन मजे से कजान विश्वविद्यालय में पढ़ते रहे। कानून की डिग्री भी ली। यदि किसी को खुद उस की राज्य-विरोधी गतिविधियों के लिए पकड़ा भी जाता था, तो केवल देहात चले जाने का हुक्म दिया जाता था। कैद भी नहीं। यह बीसवीं सदी के आरंभिक समय तक रहा। यानी, अंतिम जार के शासन तक, जिसे यूरोपीय लोग सब से बड़ा उत्पीड़क मानते रहे थे। किसी विद्रोही को सजा भी होती थी, तो एक साल की। जो सोवियत दौर में कम से कम दस साल की होती थी, वह भी जिस ने %कुछ न किया हो', यानी केवल मामूली संदेह पर। वरना? बीस-पच्चीस साल की सजा सामान्य थी। जार की जेलों में राजनीतिक कैदियों को पुस्तकें आदि पढऩे-लिखने की सुविधाएं थी। वस्तुत जार की जेलें ऐसी ढीली-ढाली थीं कि जो चाहे भाग सकता था। खुद स्तालिन चार बार जेल से भाग चुके थे। सो, सोल्झेनित्सिन लिखते हैं कि आलस्य या अनिच्छा के सिवा कोई कारण न था कि सोवियत काल से पहले की रूसी जेलों से कोई चाहे तो भाग न निकले।

कोठारी आयोग से पीएम श्री तक शिक्षा की 'परख'

जगदीश बाली

जब तक अध्यापक प्रशिक्षित नहीं, उसका नजरिया सकारात्मक नहीं, निष्ठा व नियत साफ नहीं, उसमें अध्यापन का जुनून नहीं, तब तक सफलता दूर है यदि एक बच्चे को एक बढिय़ा किताब, एक बढिय़ा कलम, एक बढिय़ा विद्यालय और एक बेहतरीन शिक्षक मिल जाए, तो वह दुनिया को बदलने का माद्दा रखता है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश और प्रदेश की सरकारों ने शिक्षा की बेहतरी के लिए नीति बनाने में कोई कसर छोड़ी है। यह अलग बात है कि कोरे-कोरे कागजों पर सुनहरे भविष्य की रौशनी दिखाते शिक्षा के बल्ब ग्राउंड जीरो पर मद्धम पड़ जाते हैं या फ्यूज हो जाते हैं। बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यान्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडखड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक 'कोई फेल नहीं' नीति लागू हुई। इसके पीछे भली मंशा यह थी कि बच्चों के जहनों से परीक्षा का डर खत्म किया जाए, परंतु इस भली मंशा में यह सिद्ध बात नजरअंदाज हो गई कि डर केवल तनाव नहीं देता, बल्कि हमें जागरूक व चौकस भी रखता है। लिहाजा बच्चे परीक्षा के प्रति उदासीन हो गए और इसके महत्व को नहीं जान पाए। देखा-देखी कई योग्य बच्चों की परीक्षा में बेहतर करने की ललक भी गुल हो गई। 'सब पास' के चलते कई माता-पिता भी अपने बच्चों की पढ़ाई से गाफिल हो गए। उधर बहुत से अध्यापक भी चिंतामुक्त हो गए क्योंकि हम उस व्यवस्था के मारे हैं, जहां बिना डर के पत्ता हिलाना मुश्किल जान पड़ता है। रहीम जी की यह बात चरितार्थ हो गई- चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाह। मस्ती की पाठशाला में सब मस्त हो गए। कहने वाले कहते रहे- ऑल इज वैल। परंतु जब बच्चे छठी व नवीं कक्षा में पहुंचने लगे और विभिन्न सर्वेक्षणों के नतीजे आने लगे, तो ढोल की पोल खुलने लगी। तब शिक्षा के कर्णधारों की तीसरी आंख खुलना लाजिमी थी। हालांकि गुरु को बेहतर गुरु बनने के गुर सिखाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाती रहीं. परंतु उनमें शोर ज्यादा सुनाई दिया, व्यावहारिक जोर और गंभीरता कम दिखाई दी। खेल-खेल में पढ़ाई की अवधारणा कागजों में तो आकर्षक दिखी, परंतु असल में यह हुआ कि पढ़ाई पिछली सीट पर और खेल ड्राइवर सीट पर आ गया। जाने-अनजाने खेल-खेल में शिक्षा से खेला होता रहा। मॉनिटरिंग के लिए टीमें बनीं, पर हासिल क्या हुआ? गुरुजी पर नकेल कसने के लिए उनकी हाजिरी बाइऑमीट्रिक मशीन पर दर्ज की जाने लगी। यहां भी एक यह गड़बड़ हो गई कि बाइऑमीट्रिक मशीनें सेकेंडरी स्कूलों में तो लगीं, परंतु प्राइमरी और मिडल स्कूलों में नहीं लगीं जहां शिक्षा की नींव तैयार होती है। अब कहीं-कहीं, किसी-किसी स्कूल में लगी हों, तो अलग बात है। यह सब हमारी नाक के नीचे हुआ। जब कभी किसी कर्तव्यपरायण व जमीरजीवी चिंतक ने इस बाबत चिंता जाहिर की, तो उसे ये रटा-रटाया राग सुनाया जाता रहा- ऐसा ही चलता है। वाकई शिक्षा ऐसे ही चलती रही और वैसे नहीं चली, जैसे चलनी चाहिए थी। चलते-चलते शिक्षा नीति 2020 आ गई। इसके अनुसार 10 जमा 2 की जगह अब 5 प्लस 3 प्लस 3 प्लस 3 पद्धति को अपनाया जा रहा है। अभी यह आरंभिक दौर में ही है और इसी बीच जब तीसरी, छठी व नवीं के छात्रों के शिक्षा के स्तर की 'परख' हुई तो पाया गया कि अपना प्रदेश पूरे देश में आधारभूत साक्षरता, भाषायी व गणितीय दक्षताओं में 21वें स्थान पर खिसक गया है। अब स्थिति सुधारने के लिए ऊहापोह चल रही है। चिंता का विषय है कि छठी कक्षा का बच्चा दूसरी-तीसरी कक्षा के विषय समझ व पढ़ नहीं पा रहा है और नवीं कक्षा का छात्र छठी कक्षा का ज्ञान नहीं रखता। आगामी राष्ट्रीय सर्वेक्षण परीक्षा 'परख' दिसंबर माह में होगी। इसके लिए मॉक टैस्ट पर जोर दिया जा रहा है। अतिरिक्त कक्षाएं लगवाई जा रही हैं। अगर ऐसा ही जोर समय रहते देते, तो आज इसकी जरूरत न होती। ये हमारे अध्यापन का खोखलापन व शिक्षा व्यवस्था का नकारापन ही है कि आज छात्रों के अगली कक्षा में पहुंचने के बावजूद उन्हें पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करवाने के लिए हम मजबूर हैं, वरना अगली कक्षा में पहुंचने के बाद पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करने-करवाने की क्या गर्ज! शिक्षा के इस सफर में सरकार ने आदर्श स्कूल बनवाए, उत्कृष्ट स्कूल बनवाए और अब पीएम श्री स्कूल चिन्हित किए गए हैं। स्कूली भवनों की कायाकल्प की जा रही है। पुराने ब्लैक बोर्ड की जगह अब ग्रीन-वाइट स्मार्ट बोर्ड, स्मार्ट स्क्रीन व ई-बोर्ड हैं। रंग-बिरंगे चॉक है। कंप्यूटरयुक्त स्मार्ट कमरे हैं और इंटरनैट पर गूगल बाबा है।

विधानसभा जम्मू-कश्मीर में नई शुरुआत

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

यह पहली बार हुआ कि इतने ज्यादा विधायकों ने कश्मीरी भाषा में शपथ ली। यहां तक कि मुश्किल से कश्मीरी भाषा बोलने वाले उमर अब्दुल्ला ने विधायक पद की शपथ कश्मीरी में ली.. उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर की कमान संभाल ली है। 2014 में उन्हें पीडीपी के मुफ्ती मोहम्मद सैयद ने अपदस्थ कर दिया था। वैसे कश्मीर में सैयदों की और देसी मुसलमानों की लड़ाई बहुत पुरानी है। मुफ्ती साहिब के इंतकाल के बाद उनकी बेटी सैयदा महबूबा मुफ्ती राज्य की मुख्यमंत्री बन गई थीं। मुफ्ती परिवार का यह राजयोग भाजपा के समर्थन पर टिका था। वैसे यह भी अपने आप में सातवां आश्चर्य ही था कि जनसंघ/भाजपा शुरू से ही स्वदेशी का ही समर्थन करती रही हैं, लेकिन जब कश्मीर में राजसत्ता देने की बात आई तो फैसला सैयदों के हक में दे दिया। इससे राज्य के गुज्जर, दलित और पसमांदा मुसलमान भाजपा से रुष्ट भी हुए थे। लेकिन अब यह पुरानी बात है। वैसे भी हालात कुछ ऐसे बने कि भाजपा ने अपना सहयोग वापस ले लिया। जाहिर है इससे मुफ्ती परिवार के हाथ की लकीरें भी बदल गईं। लेकिन उसके बाद जम्मू कश्मीर में इतना कुछ बदल गया जिसको समझने समझाने में समाजविज्ञानियों को पसीना आने लगा। इतना ही नहीं, पाकिस्तान से लेकर अमेरिका तक में हडक़म्प मच गया। अमेरिका ने बहुत ही चालाकी से भारत को इस मुद्दे पर घेरा हुआ था। दुनिया भर को विश्वास दिला रखा था कि जम्मू कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का विषय है। इन गोरे लोगों ने चाल इतनी खूबसूरती से चली थी कि भारत में भी बहुत से लोग विश्वास करने लगे थे कि कश्मीर दोनों देशों में विवाद का कारण है। इस भ्रम को बनाए रखने के लिए भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 था ही। कश्मीर घाटी में तो इस मृगमरीचिका का शिकार होकर बहुत से कश्मीरी भी आजादी-आजादी चिल्लाते हुए, पाकिस्तान के साथ जाने के सपने देखने लगे। इसलिए सैयदों की इन अरबी चालों और गोरों की नस्ली चालों को सदा के लिए दफ्नाने के लिए भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को ही हटा दिया। हडक़म्प मचना तय ही था। लेकिन ज्यादा हो-हल्ला तीन डेरों पर ही मचा। पहला डेरा अब्दुल्ला परिवार का था। यह डेरा जम्मू कश्मीर का स्थानीय या लोकल डेरा था। यह ठीक है कि डेरे के पूर्वज कभी अति उत्साह में अरबी शेख बनने चले थे, शायद कश्मीरियों को डराने के लिए ही।

लेकिन वे जल्दी समझ गए कि दूसरों के कपड़े पहन कर देवदार को खजूर समझने से मानसिक तनाव ही बढ़ता है, इसलिए वे जल्दी ही नकली शेख की वर्दी उतार कर अपने देसी लोगों में ही शामिल हो गए। दूसरा डेरा सैयदों का था। वे अभी भी देवदारों पर खजूरें लगने की तरकीबें तलाश रहे थे। तीसरा डेरा उन अलगाववादियों का आकार ले रहा था जिनका नियंत्रण तो एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के विदेशी मुसलमानों के हाथ में ही था, लेकिन मजहब के नाम पर उन्होंने कुछ देसी कश्मीरी भी अपने डेरे में बिठा रखे थे। जैसे ही अनुच्छेद 370 खत्म हुआ हड़बड़ाहट में ये तीनों डेरे गुपकार के नाम पर एक साथ रोने लगे। लेकिन इतनी बेसुरी आवाजें निकलीं कि उसमें कश्मीर कहीं सुनाई नहीं दे रहा था। देसी डेरे ने तो अरसा पहले ही अरबी शेख बनने का गैर कश्मीरी रास्ता छोड़ दिया था। वह समय की चाल को भी समझ गया था और समय के महत्व को भी। फिर वह जम्मू कश्मीर का देसी डेरा था, राज्य के देसी मन को कैसे न समझता! अरबी डेरे न तो कश्मीर के मन को समझ पाए और न ही समय की चाल को। यही कारण है कि राज्य के विधानसभा चुनाव में अरबी डेरे उखड़ गए और देसी डेरों ने धमाल मचा दी। जम्मू संभाग में भाजपा ने झंडे गाड दिए और कश्मीर संभाग में अब्दुल्ला परिवार की नैशनल कान्फ्रेंस ने अंगद की तरह पैर जमा दिया। उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनना ही था, लेकिन अनुमान इस बात को लेकर लगाया जा रहा था कि विधानसभा में बहुमत हासिल करने के बाद भी क्या वे राज्य के भीतर की देसी अभिलाषा को पढ़ते रहेंगे या फिर विदेशी भाषा की चालों में फंस जाएंगे। उमर के मंत्रिमंडल को देख कर लगता है वे भूतकाल से निकल कर भविष्य के रास्ते पर चलने का निर्णय कर चुके हैं। चुनाव से पहले नैशनल कांन्फ्रेंस ने कांग्रेस से समझौता किया हुआ था। जम्मू संभाग की अधिकांश सीटें राहुल गांधी के हवाले करते हुए उसे उसी का मंत्र भी याद दिला दिया था, जिसकी जितनी संख्या भारी उतनी उसकी हिस्सेदारी। लेकिन राहुल गांधी संख्या लेकर हाजिर हुए महज छह की। उसमें भी पांच लोग तो उमर अब्दुल्ला के इलाके कश्मीर के ही थे और जीते भी नैशनल कान्फ्रेंस की मदद से ही थे। कांग्रेस के प्रधान मल्लिकार्जुन खडग़े दिल्ली में बुढ़ापा नृत्य करते रहे कि जम्मू कश्मीर में इंडी गठबंधन जीत गया है, लेकिन उमर ने अपने मंत्रिमंडल में कांग्रेस को शामिल ही नहीं किया। अलबत्ता राहुल गांधी ने यह भ्रम फैलाने की कोशिश जरूर की कि जब तक जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक उनकी पार्टी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी। कश्मीर से सकीना इट्टू को मंत्री बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए माँगा आरोग्य का वरदान

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के निरोगी एवं सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने प्रदेशवासियों को धनतेरस पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर श्री साय ने कहा कि समृद्धि व ऐश्वर्य के लिए धन के देवता कुबेर और आरोग्य के लिए भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है। दीपावली का पर्व सभी के लिए सुख-समृद्धि लेकर आए और भगवान धन्वंतरि सभी को आरोग्य प्रदान करें।

राज्यपाल ने तिरुपति में पूजा-अर्चना बालाजी से देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कल तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। इस अवसर पर राज्यपाल ने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी की विधिवत पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ सहित समस्त देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल को मंदिर प्रबंधन की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी सहित राज्यपाल के परिजन उपस्थित रहे।

परस्परग्रहोजीवानाम की भावना हम सभी को रखना चाहिये : मुनि श्री संधान सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। भले ही दूर हूं निकट भेज देता अपनापन यदि हम यह जान जाएंगे कि जैसे मुझे अपने प्राण प्रिय है वैसे ही प्राण सभी जीवों को अपने पसंद है परस्परग्रहोजीवानाम की यह भावना हम सभी को रखना चाहिये तभी हम सभी जीवों के प्रति उद्धार की भावना रख सकते है। उपरोक्त उद्‌गार मुनि प्रमाण सागर जी महाराज के संघस्थ मुनि श्री संधान सागर जी महाराज ने प्रात:कालीन धर्म सभा में कहे।

मुनि श्री ने आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज द्वारा लिखे हायकू पर व्याख्यान देते हुये कहा कि सक्रिय सम्यकदर्शन के माध्यम से आचार्य गुरुदेव ने भारत की विभिन्न जेलों में हथकरघा शुरु कराया जिससे कैदियों को रोजगार मिले एवं व्यसन मुक्ति के साथ उनके मन में राष्ट्रीय भावना जगे तथा समाज को शुद्ध बस्त्र मिले, गुरूदेव की कृपा उन पर हो जाऐ इस बाबत तिहाड़ जेल दिल्ली से जेलर के माध्यम से कैदियों ने हस्ताक्षरित पत्र लिखा कि गुरुदेव आप हमारी जेल में कब आओगे ? तो गुरुदेव ने तिहाड़ जेल के कैदियों को हायकू के माध्यम से संदेश दिया भले ही दूर हूँ, निकट भेज देता अपनापन तथा दूसरा संदेश दिया रोटी न मांगो रोटी बनाकर खाओ जो लोग महनत करना नहीं चाहते बस चाहते है कि सीधे सीधे पकी पकाई रोटी मिल जाऐ, ऐसे लोग ही आलसी कहलाते है तथा तीसरा हायकू खानपान हो मर्यादित शिक्षा से खानदान हो मुनि श्री ने कहा कि यंत्र तंत्र के इस युग में हमारी सारी मर्यादायें टूट चुकी है जिससे हमारा खानपान भी विगड़ा तथा स्वास्थ्य भी विक्रत हुआ उन्होंने कहा कि मर्यादा का उलंधन करेंगे तो हर व्यक्ति अस्वस्थ होगा चांहे उसे आध्यात्म की दृष्टि से देख लो चांहे स्वास्थ्य की दृष्टि से देखो ? मर्यादा का जब जब भी उलंघन हुआ है वंहा सीता का ही हरण हुआ है, अगर सीता लक्ष्मण रेखा के अंदर रहती तो रावण की इतनी हिम्मत

नहीं थी कि वह सीता को हाथ भी लगा देता। उन्होंने कहा कि आज फैशन के नाम पर मर्यादा का उलंघन होता चला जा रहा है और हम देख ही रहे है कि घर घर में रावण वैठे है। चौथा हायकू थाअतिमात्रा में पथ्य भी कुपथ्य हो मात्रा मांसी होमुनि श्री ने व्याख्या करते हुये कहा कम मात्रा में यदि जहर भी दिया जाऐ तो वह औषध के रुप में लाभ करती है, आजकल का इंसान इतना अधिक सुविधाभोगी हो गया है इसीलिये बीमार है समय पर न तो सोना चाहता है और न ही समय पर भोजन करना चाहता है आचार्य उमास्वामी ने इसे प्रमत्तयोगात कहते हुये लिखा है कि प्रमाद हमारे लिये अनादि काल से दु:ख प्रदान करता आया है, प्रमाद से बचें और लोग स्वस्थ रहें इसीलिये मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने श्री सेवायतन के नाम से श्री सम्मेदशिखर जी में सुस्था खड़ी की तथा 14 गांव को गोद लिया उन गांव की गरीब जनता को काम करना सिखाया जिससे वह गौ पालन और पशु पालन करके अपना जीवन यापन कर सकें उनको मांस मदिरा से दूर रहना सिखाया एवं आप लोगों के सहयोग से उनको गायों का वितरण किया जिससे कि गांव गांव में दूध की नदियाँ बहे और लोग शराब से दूर रह सकें।

आचार्य गुरुदेव ने इन हायकू के माध्यम से जो संदेश दिये है यदि हम उनका पालन करें तो राष्ट्र भी स्वस्थ रहे लोग आलसी न हों तथा अहिंसक बस्त्रों के उत्पादन से धर्म भी पले, उपेक्षित बंचित लोगों को रोजगार भी मिले। उपरोक्त जानकारी देते हुये धर्म प्रभावना समिति के मीडिया प्रभारी राहुल जैन तथा प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनिसंघ सानिध्य में एक नवम्वर को मोहताभवन में प्रात:8-30 बजे से भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव की पूजन प्रारंभ होगी एवं निर्वाण लाडू चड़ाया जाऐगा इसी के साथ चातुर्मास निष्ठापन कर जैन समाज का दीपावली मिलन कार्यक्रम संपन्न होगा।धर्म प्रभावना समिति के निर्देशक अभय भैया जी अध्यक्ष अशोक डोसी महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा महामंत्री हर्ष जैन सहित समस्त पदाधिकारिओं ने इंदौर के समस्त मंदिरों के पदाधिकारिओं से निवेदन किया है कि आप सभी अपने जिनालयों में 8 बजे तक कार्यक्रम कर लें जिससे हम सभी सामुहिक रुप से भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव मना सकें। -**अविनाश जैन**

विवाह बंधन गृहस्थ के लिये अनिवार्य है, सदग्रहस्थ बनकर संतति को आगे बढ़ाएं : मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। विवाह बंधन गृहस्थ के लिये अनिवार्य है, सदग्रहस्थ बनकर संतति को आगे बढ़ाएं या फिर हिंसा झूंठ चोरी कुशील परिग्रह रुपी पांच पाप को त्याग कर अहिंसा वृत धारण कर बैराग्य का मार्ग अपनाएं। उपरोक्त उद्‌गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज ने प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह रुपी पांच पाप का पूर्ण रूपेण त्याग कर अहिंसा महावृत का पालन करने वाला एक श्रमण कहलाता है, लेकिन यदि कोई ग्रहस्थ स्वदार संतोष वृत के साथ अपना जीवन यापन करता है तो वह सदग्रहस्थ की श्रैणी में आकर एक देशव्रती श्रावक है इस व्रत को पालन करने बाला अपने वैवाहिक सम्वंध के अलावा किसी अन्य पुरुष अथवा स्त्री से शारिरिक सम्वंध नहीं बनाने का संकल्प पूर्वक त्याग करता है, मुनि श्री ने कहा कि विवाह पाप में फंसने का साधन नहीं है, वल्कि योग्य उम्र में बेटा बेटीओं को संयमित जीवन जीने के लिये एक आदर्श व्यवस्था हे जो कि पुराने समय से चली आ रही है पहले तो कन्या विवाह होते थे आजकल विवाह की उम्र 28-30 साल की होंने से वह कन्या तो रही नही युवती हो जाती है तथा योग्य उम्र में विवाह सम्वंध नहीं होंने से समाज में विक्रतियां उत्पन्न हो रही है, केरीयर बनाने के कारण आजकल के युवक और युवतियां विवाह की उम्र सीमा को ही निकाल देते है तथा विपरीत लिंग के आकृषण के कारण योग्य बातावरण नहीं मिलता और वह डिप्रेशन के शिकार होकर अपने जीवन को नारकीय बनाकर बरबाद कर लेते है, उन्होंने युवाओं को सम्वोधित करते हुये कहा कि संसार में दो ही मार्ग है या तो आप वैराग्य के मार्ग पर आगे बड़ो या फिर सदगृहस्थ बनकर जीवन को सही समय पर अपनाओ। मुनि श्री ने कहा सरकार ने कानून बनाकर जो रिलेशनशिप में रहने की कानूनी छूट प्रदान की है उससे भी अनाचार को बड़ावा मिला है, उन्होंने कहा कि मातापिता का कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों को सही समय पर विवाह करें, तभी हम सामाजिक रुप से इन विक्रतियां तथा उससे होंने बाले पाप से बच पाऐंगे आजकल जो विवाहोउपरांत तलाक हो रहे एवं आत्महत्या की घटनाएं बड़ रही है उसका सबसे बड़ा कारण भी यही है उन सभी बातों में भी कमी आऐगी। -**अविनाश जैन**

महाराष्ट्र मंडल में गायक चैतन्य जोगलेकर, सोमेंद्र फड़के व अन्य गायकों ने किया दिवाली पहाट की रिहर्सल

महाराष्ट्र मंडल में कल सुमधुर भक्तिमय गीतों की दिवाली पहाट

पखवाड़ेभर से जारी है अभ्यास, चिन्मय- सोमेंद्र की जुगलबंदी रहेगी आकर्षण का केंद्र

रायपुर (विश्व परिवार)। दीपावली पर चौबे कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल में रुप चौदस यानी नरक चतुर्दशी के दिन दीपावली पहाट (सुबह) का सुमधुर संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सुबह 6:30 बजे शुरू होने वाले इस आयोजन के लिए अंचल के जाने- माने गायक पखवाड़ेभर से जबरदस्त अभ्यास कर रहे हैं।

कार्यक्रम के संयोजक प्रेम उपवंशी ने बताया की लगभग 90 मिनट के भक्तिमय सुगम संगीत के कार्यक्रम में चंद्रशेखर सुरावधनीवार के मार्गदर्शन में हेमंत मार्डीकर, दीप गुंडेवाडकर, वैशाली जोशी, सोमेंद्र फड़के और चैतन्य जोगलेकर की सुमधुर आवाज का जादू बिखरेंगे। सुरावधनीवार भक्तिमय संगीत सुर निरागस हो.... से दीपावली पहाट की शुरुआत करेंगे। हेमंत मार्डीकर %सखी मंद झाल्या... की शानदार प्रस्तुति देंगे। सुखी चे सुख लेकर दीप गुंडेवाडकर आएंगे। सुमधुर गीत अबीर गुलाल से श्रोताओं को सोमेंद्र फड़के प्रभावित करेंगे। सुमिता रायजादा के खूबसूरत मंच संचालन के बीच एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां होंगी। इनमें चैतन्य जोगलेकर व सोमेंद्र फड़के की जुगलबंदी दिल की तपिश और भैरवी %चिन्मय सकाळ.... कार्यक्रम की विशेषता होगी। कार्यक्रम के प्रभारी परितोष डोनगांवकर के अनुसार आयोजन की समाप्ति पर दिवाली फराळ और आकर्षक आतिशबाजी की व्यवस्था की गई है।

एसडीएम लीड लेकर राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकरण करवाएं : कलेक्टर

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री हरिस एस ने कहा कि सीमांकन के समय-सीमा से बाहर के प्रकरणों को निराकृत करने के लिए टीम बनाकर कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही तहसीलों में तीन से पांच वर्ष के लंबित प्रकरणों को निराकरण करने हेतु प्राथमिकता दी जाए। वहीं एक से तीन वर्ष के लंबित पुराने प्रकरणों को तहसीलदार गम्भीरता के साथ मैदानी अमले के माध्यम से पेशी की संख्या वृद्धि कर निराकृत करें। साथ ही स्थगन के प्रकरण, सीमांकन के विलंब के कारणों की समीक्षा कर प्रकरणों को जल्द से जल्द निराकरण करें। सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लीड लेकर प्राथमिकता से प्रकरणों के निराकरण हेतु कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री हरिस मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा कक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक में उक्त निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले के राजस्व न्यायालयवार राजस्व प्रकरणों के निराकरण प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि तहसीलों में 3-5 वर्ष के लंबित प्रकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही करें। इसी तरह एक से तीन वर्ष के प्रकरणों में गंभीरता के साथ तहसीलदार प्राथमिकता से पेशी की संख्या बढ़ाकर पुराने प्रकरणों को क्लीयर करें। उन्होंने वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों के तहसीलवॉर निरीक्षण स्थिति की समीक्षा करते हुए नक्शा नवीनीकरण के कार्य को प्रगति देने पर जोर देते हुए एक-एक तहसील के लिए तिथि निर्धारित कर प्रगति लाए जाने कहा। वहीं आरबीसी 6-4 के तहत दरभा एवं बास्तानार तहसील में जनक्षति के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के लिए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी को निर्देशित किए। उन्होंने वन अधिकार मान्यता पत्र के वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए भौतिक सत्यापन करवा कर किसान किताब प्रदान किए जाने कहा।

बैठक के दौरान रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण के लंबित प्रकरणों के निराकरण, निराकृत प्रकरणों को अभिलेख कोष्ठ में जमा करने की प्रगति, स्वामित्व योजना, कोटवार सेवा भूमि, अविवादित नामांतरण, रजिस्ट्री, फौती की ऑनलाइन डाटा एन्ट्री कराने, खारिज के वजह पर चर्चा किया गया। साथ ही खसरा जांच, धान खरीदी हेतु तैयारी, राजस्व गांव घोषित करने पर कार्यवाही प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल सहित जिले में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

महतारी वंदन योजना : इस दिवाली, गरीब महिलाओं के हाथ नहीं रहेंगे खाली

हाथों में पैसा होने से खरीद पाएंगी जरूरी सामान

खुशियों में नहीं लगेगा ग्रहण, घर पर बना पाएंगी व्यंजन

रायपुर (विश्व परिवार)। इस दिवाली, गरीब महिलाओं के हाथ नहीं रहेंगे खालीवनांचल के बसाहट में रहने वाली पहाड़ी कोरवा दशरी बाई हो या फिर कोरबा जिले से लगभग 120 किलोमीटर दूर अन्तिम छोर के गाँव डोकरमना की कामता बाई...इन सभी को याद है कि आज से एक साल पहले ऐसी कई दीवाली सहित त्यौहार आई..लेकिन इन त्योहारों की खुशियों में अक्सर गरीबी का ग्रहण ऐसा लग जाता था कि वे चाहकर भी खुशियों के मौके पर खुश नहीं हो पाती थीं। हाथों में पैसा नहीं होने से वे न तो अपनी पसंद की जरूरी सामग्री खरीद पाती थी और न ही घर पर कोई पसन्द का व्यंजन बना पाती थीं। अब जबकि महतारी वंदन योजना से खाते में हर महीने एक-एक हजार रुपए जमा हो रहे हैं तो इन गरीब महिलाओं को त्यौहार जैसे खास अवसरों में मुस्कुराने के साथ ही खुद का और रिश्तेदारों के मुंह मीठा करने का मौका मिल गया है।

महतारी वंदन योजना में नाम जुड़ने के पश्चात हर महीने एक-एक हजार रुपए अपने खाते में प्राप्त करने वाली पहाड़ी कोरवा दशरी बाई की जिंदगी बहुत ही चुनौतियों तथा संघर्ष के बीच घिरी हुई है। घने जंगल में बसाहट में रहने वाली दशरी बाई के पास आमदनी का कोई साधन नहीं है। वह कुछ खास सीजन में कुछ रुपये वनोपज संग्रहण से जोड़ पाती है, इस बीच जिंदगी बहुत ही मुफलिसी से कटती है। उसके लिए घर का जरूरी सामान व राशन के इंतेजाम से और कुछ होता ही नहीं है। वह बताती है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एक-एक हजार रुपए जो खाते में भेजा है वह उनके लिए बहुत ही काम आती है। राशन से जुड़े सामान खरीदने के साथ ही अपनी जरूरतों के सामग्री खरीद लेती है। उन्होंने बताया कि पति पण्डाराम को कभी-कभी काम मिलता है तो करते हैं। दशरी बाई ने बताया कि आने वाले दिनों में त्यौहार है। महतारी वंदन योजना से मिली राशि उसके लिए बहुत उपयोगी साबित होगी, क्योंकि इससे पहले कई त्यौहार खाली हाथ बीता है।

उत्कृष्टता का जश्न : कलिंगा विश्वविद्यालय ने 2024 के सर्वश्रेष्ठ स्कूल शिक्षक पुरस्कार से शिक्षकों को सम्मानित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोगात्मक/नवाचारी शिक्षण पद्धतियों का प्रयास करने वाले व्यक्तिगत शिक्षक प्रशिक्षकों को मान्यता देने के लिए, कलिंगा विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में 26 अक्टूबर, 2024 शनिवार को सर्वश्रेष्ठ स्कूल शिक्षक पुरस्कार 2024 प्रदान किया।

देश में शिक्षकों के अद्वितीय योगदान का जश्न मनाने और उन शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आलोक शुक्ला, आईएएस, पूर्व प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त एवं अखिल भारतीय परिसीमन आयोग के सदस्य डॉ. सुशील त्रिवेदी, आईएएस उपस्थित रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एन.एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल के विज्ञान संकाय एवं विज्ञान विभाग के समन्वयक श्री एम.एन. सिंह थे।

विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने स्वागत भाषण दिया और एक आकर्षक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से विश्वविद्यालय के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। बैचलर ऑफ इंटीरियर डिजाइनिंग की तीसरे सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रितु वर्मा ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। डॉ. आलोक शुक्ला ने उपस्थित लोगों को शिक्षा से संबंधित कई पहलों पर संबोधित किया। डॉ. सुशील त्रिवेदी ने भारतीय संविधान पर बुनियादी तथ्य प्रस्तुत किए। श्री एम.एन. सिंह ने नासा, एम.आई.टी. आदि की अपनी यात्राओं के अनुभव साझा किए।

कलिंगा विश्वविद्यालय की डॉ. सुनयना शुक्ला ने ज्ञानवर्धक सत्र दिया, जिसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महासमुंद के डॉ. अनिल कुमार प्रधान को स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ। श्री प्रकाश कुमार देवांगन, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1, रायपुर को द्वितीय पुरस्कार और डॉ. माधुरी बोरेकर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोलार अभनपुर को तृतीय पुरस्कार मिला।

मिढ्ढंगावागांव के श्री सुशील कुमार पटेल, स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल (एसएजीईएस) की सुश्री वीणा भाया, शासकीय स्कूल अभनपुर की निवेदिता श्री तिजाऊ राम तारक, चंद्रोदय पब्लिक स्कूल के श्री नवीन चंद्राकर, शासकीय स्कूल कलंगपुर बालोद की श्रीमती सोनाली ब्यासवास को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र और उपहार प्रदान किये गये। निर्णायक मंडल में डॉ. राहुल मिश्रा- शैक्षणिक मामलों के डीन और परीक्षा नियंत्रक और डॉ. श्रद्धा वर्मा- डीन, शिक्षा संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय शामिल थे। विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। मार्केटिंग विभाग की सहायक प्रबंधक सुश्री दिशा जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। शिक्षकों ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया और कलिंगा विश्वविद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की। लेफ्टिनेंट विभा चंद्राकर समारोह की संचालक थीं।

कैट और युवा एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में 'मेरा भारत मेरी दिवाली' राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत शास्त्री बाजार में साफ-सफाई अभियान चलाया गया : अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और युवा एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में 'मेरा भारत मेरी दिवाली' राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आज शास्त्री बाजार में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी थे। नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के श्री अतुल जे निकम, राज्य निदेशक, एनवाईकेएस, छत्तीसगढ़ श्री अर्पित तिवारी, सहायक निर्देषक एवं जिला युथ अधिकारी, एनवाईकेएस, श्री एलएस गजापाल, रविशंकर विश्वविद्यालय समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, श्रीमती सुनीता चंसोरिया, दुर्गा कॉलेज कार्यक्रम अधिकारी, श्रीमती रात्रि लाहिड़ी, गुरुकुल कॉलेज, कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

'मेरा भारत, मेरी दिवाली' अभियान के माध्यम से सरकार और व्यापारी समुदाय मिलकर स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में जन जागरूकता बढ़ाएंगे

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेष अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोषी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य मेरा भारत पोर्टल के 1 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य मे चलाया जा रहा है। नेहरू युवा केंद, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं कैट के सहयोग से मेरा स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान शास्त्री बाजार मे चलाया गया। इस अभियान का विषय इस दिवाली मेरे भारत के साथ है और इसका उद्देश्य प्रदेष सहित देश भर में 500 स्थानों पर बाजारों की सफाई, अस्पतालों में सेवा, और यातायात स्वेच्छा जैसे सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से यह अभियान सुरक्षित और स्वच्छ सार्वजनिक स्थलों का निर्माण करने की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में प्रदेष के रायपुर सहित बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, अम्बिकापुर, रायगढ़, मनेन्द्रगढ़, कवर्धा, कांकेर, महासमुंद, सराईपाली, बसना ईकाइयों में 'मेरा भारत मेरी दिवाली' अभियान के तहत बाजारो में साफ - सफाई चलाया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाएं, विशेष रूप से दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान। व्यापारिक समुदाय इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए तैयार है।

श्री पारवानी एवं श्री दोषी ने कहा, 'मेरा भारत, मेरी दिवाली' अभियान के माध्यम से सरकार और व्यापारी समुदाय मिलकर स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में जन जागरूकता बढ़ाएंगे। सभी व्यापारियों से आग्रह किया गया है कि वे अपने बाजारों और दुकानों के आसपास विशेष रूप से सफाई बनाए रखने का प्रयास करें। इस अभियान के तहत राष्ट्रव्यापी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिनमें व्यापारी संगठन, युवा समूह और विभिन्न सामाजिक संस्थाएँ भाग लेंगी। उपरोक्त कार्यक्रम में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से अमर पारवानी, जितेन्द्र दोषी, परमानन्द जैन, सुरिन्द्रर सिंह, भरत जैन, अवनीत सिंह, राकेष ओचवानी, बलराम आहुजा, कन्हैया गुप्ता, मोहन वर्ल्यानी एवं महेन्द्र बागरोडिया आदि उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर नम्रता गांधी ने अधिकारी, कर्मचारियों को दिलाई प्रतिज्ञा

धमतरी(विश्व परिवार)। शासन के निर्देशानुसार ''सतर्क भारत समृद्ध'' भारत के तहत जिले में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया जाना है। इसके मद्देनजर कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने आज कलेक्टोरेट में अधिकारी, कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री जी.आर.मरकाम, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रीति दुर्गम सहित कलेक्टोरेट के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा में कहा गया कि मेरा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार बड़ी बाधा है। भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क होना चाहिए तथा उसे सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए। अत: मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूं तिक जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करूंगा, ना तो रिश्वत लूंगा और ना ही रिश्वत दूंगा, सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करूंगा, जनहित में कार्य करूंगा, अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करूंगा और भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेंसी को दूंगा।

पीएमश्री विद्यालयों के बच्चों को कराया गया मैत्रीबाग का भ्रमण

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले के पीएमश्री विद्यालयों के विद्यार्थियों को समर कैम्प अंतर्गत मैत्रीबाग भिलाई जिला दुर्ग का भ्रमण कराया गया। भ्रमण कार्यक्रम में 7 पीएमश्री विद्यालयों के लगभग 440 विद्यार्थी एवं शिक्षक व कर्मचारी शामिल थे। चिड़ियाघर में शेर चीता, बंदर, हिरण, नीलगाय, अजगर सफेद शेर, लकड़बघ्घा, विभिन्न प्रकार के बंदर सहित विभिन्न प्रकार के जानवरों एवं पक्षियों को देखकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान की झलक दिखाई दी। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के आदेश एवं पालकों की सहमति से बच्चों को भिलाई स्थित मैत्रीबाग का भ्रमण कराया गया। सभी विद्यालयों के लिए अलग-अलग बस की व्यवस्था की गई थी। इसमें छुरिया विकासखंड अंतर्गत पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला मोरकुटुंब, डोंगरगांव विकासखण्ड अंतर्गत पीएमश्री शासकीय प्राथनिक शाला बोधीटोला एवं पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला अमलीडीह, डोंगरगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला कंडरापारा एवं पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला डुंडेरा, राजनांदगांव विकासखण्ड अंतर्गत पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला हरदी एवं पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला कोपेडीह के विद्यार्थी, जिला मिशन समन्वयक एवं पीएमश्री जिला नोडल अधिकारी सतीश ब्यौहरे, सहायक नोडल श्री आदर्श वासनिक, एपीसी श्री रफ्फ़ि अंसारी, एपीसी श्री केपी विश्वकर्मा, एडीपीओ श्री पीआर झाड़े, श्री मनोज मरकाम, श्री मनोज यादव, श्री दीपक तिवारी, श्री विक्रम शर्मा, पीएमश्री शाला के शिक्षक श्री जीवराखन उइके, श्री भीखम साहू, श्री नारायणी ठाकुर, श्री बाया वर्मा, सरोज वर्मा, श्री सिंह, श्री कन्नौजे एवं शिक्षक शामिल थे।

नव पदस्थ कलेक्टर ने संभाला पदभार

मोहला(विश्व परिवार)। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के नव पदस्थ कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज सोमवार को पदभार ग्रहण किया। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति 2016 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है। इससे पूर्व महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक के रूप में पदस्थ रही है। साथ ही श्रीमती प्रजापति पशुपालन विभाग की उप सचिव एवं बेमेतरा, बलरामपुर, कोरिया, जिले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत का दायित्व संभाल चुकी है। पदभार ग्रहण करने के बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर विभाग की कार्यों की जानकारी ली। साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे एक टीम के रूप में मिलकर उत्कृष्टता और गुणवत्ता के साथ कार्य करें। जिससे जिले को विकास की मुख्य धारा से जोड़कर उच्च स्तर पर स्थापित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर जिला कार्यालय की विभिन्न शाखाओं और विभागों के कक्ष में पहुंचकर अवलोकन किया तथा कर्मचारियों से परिचय एवं कार्यो की जानकारी ली। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर प्रेमलता चंदेल, जिला परियोजना निदेशक श्री हेमंत ठाकुर, एसडीएम मोहला डॉ.हेमेंद्र भुआर्य, एसडीएम मानपुर श्री अमित नाथ योगी, डिप्टी कलेक्टर अविनाश ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

आदिवासी समाज की अतीत व सांस्कृतिक विरासत अत्यंत वैभवशाली : चन्द्रेश ठाकुर

बालोद(विश्व परिवार)। गोण्डवाना समाज के अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के संभागीय अध्यक्ष एवं जिला जनसंपर्क अधिकारी चंद्रेश ठाकुर ने कहा कि आदिवासी समाज की अतीत एवं सांस्कृतिक विरासत अत्यंत वैभवशाली है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने अपनी पुस्तक 'डिस्कवरी ऑफ इण्डिया' में कहा कि आदिवासियों की संस्कृति विश्व की समस्त संस्कृतियों की जननी है। ठाकुर शनिवार 26 अक्टूबर को मदनलाल साहू शासकीय महाविद्यालय अरमरीकला में जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत एवं उनके ऐसिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यशवंत कुमार साव ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हल्बा समाज के अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईपीएस आरएस नायक एवं सहवक्ता के रूप में वनवासी समाज के सचिव कृष्णा साहू उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि नई पीढ़ी को जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत एवं उनके सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्र व समाज के निर्माण में उनके आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक योगदानों एवं विशेषताओं की जानकारी देने हेतु शिक्षण संस्थानों में इस विषय पर कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा कि राष्ट्र व समाज के ऊपर जब भी विपत्ति आई है आदिवासी समाज के लोगों ने उस विषम परिस्थितियों में देशवासियों के साथ मिलकर उन चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास का यदि गंभीरता से छीद्रान्वेषण किया जाए तो देश में फिरंगियों के विरूद्ध स्वाधीनता संग्राम की बिगुल आदिवासियों ने ही फूंका। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति के पूर्व झारखंड में तिलका मांझी एवं छत्तीसगढ़ में परलकोट के जमींदार शहीद गैंदसिंह नायक जैसे अमर शहीदों ने अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का शंखनाद शुरू कर दिया था। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यशवंत कुमार साव ने भी जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास एवं राष्ट्र व समाज के लिए उनके सांस्कृतिक आध्यात्मिक योगदानों पर भी विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आरएस नायक ने स्वाधीनता संग्राम में समाज के नायकों के योगदान के संबंध में विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके योगदानों को अद्वितीय एवं अप्रीतिम बताया। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। समारोह के सहवक्ता वनवासी समाज के सचिव कृष्णा साहू ने जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत, सांस्कृतिक विरासत, स्वाधीनता आंदोलन में उनका योगदान, उनके स्वभावगत विशेषता, राष्ट्र व समाज के नवनिर्माण में उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण योगदानों के संबंध में बहुत ही रोचक एवं प्रेरणास्पद जानकारी दी।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें - कलेक्टर दीपक अग्रवाल

ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर लक्ष्य निर्धारित कर कुपोषण की स्थिति में सुधार लाए

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं मिशन वात्सल्य, सखी वन स्टॉप सेंटर तथा आकांक्षी ब्लॉक अंतर्गत गरियाबंद एवं मैनपुर आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के विभिन्न संकेतों के बारे में समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम मैनपुर एवं गरियाबंद में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत विभिन्न संकेतों के बारे में समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी परियोजना अधिकारियों एवं सुपरवाईजर को नीति आयोग द्वारा निर्धारित सभी सात संकेत को प्रतिमाह निर्धारित समयावधि में शत प्रतिशत पूर्ण कर लक्ष्य प्राप्ति करने के निर्देश दिये। उन्होंने इन संकेतों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं करने को कहा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति शत - प्रतिशत हो यह सुनिश्चित करें। बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों पर निर्धारित मेन्यू के अनुसार नाश्ता एवं गर्म भोजन भी उपलब्ध कराये। पोषण ट्रेकर के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति की एण्ट्री करें। पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत मध्यम कुपोषित बच्चों को लाभान्वित करें तथा गर्भवती, शिशुवती एवं किशोरी बालिकाओं को भी पूरक पोषण आहार प्रदान करें। वजन त्यौहार अंतर्गत बच्चों का वजन अनिवार्य रूप से ले। अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल 2024 से 23 अक्टूबर 2024 तक 76 बच्चों को पोषण पुर्नवास केन्द्र के माध्यम से लाभान्वित किया गया है। कलेक्टर ने जिले के 334 ग्राम पंचायतों एवं 6 नगरीय निकायों में पंचायतवार बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर लक्ष्य निर्धारित कर कुपोषण की स्थिति में सुधार लाए। बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन तथा कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की शेष रिक्त पदों की नियुक्ति पात्रता अनुसार करने के निर्देश दिये। नियुक्ति में किसी प्रकार की शिकायते नहीं आने चाहिए। बताया गया कि जिले में 69 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत किये गये है। जल जीवन मिशन के तहत जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वच्छ पेयजल के लिए रनिंग वॉटर की व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों के 751 आंगनबाड़ी केन्द्रों में रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा चुकी है।

साइकिल वितरण : शैक्षिक यात्रा सुगम होगी स्कूल जाने में होगी सुविधा- सांसद

जगदलपुर(विश्व परिवार)। सरस्वती साइकिल योजना के तहत स्कूली छात्राओं को दूर दराज ग्रामों से स्कूल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना न करने पड़े इस उद्देश्य से साइकिलों का वितरण किया जा रहा है। इसी के तहत बकावण्ड ब्लाक के सरगीपाल में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे छात्राओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बस्तर सांसद महेश कश्यप ने सरगीपाल, राजनगर एवं शासकीय हाई स्कूल कोसमी की छात्राओं को सायकल वितरित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद ने कहा की छात्राओं को साइकिल मिलने से उन्हें स्कूल आने-जाने में सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सोच के अनुरूप राज्य की छात्राओ का पढ़ाई में मन लगा रहे। जिससे कि परिणाम शानदार होकर राज्य का नाम रोशन हो सके एवं छात्राओं को समय पर स्कूल जाने के लिए किसी पर निर्भर ना होना पड़े। कार्यक्रम मे उपस्थित हुए सांसद का ग्रामीणों ने अपनी परम्परा के अनुसार भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष बकावण्ड धनुर्जय कश्यप,अनुसूचित जाति मोर्चा से वनवासी मौर्य,जनपद सदस्य सुनील सेठिया,पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित त्रिवेदी, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश गुप्ता,बीइओ श्रीनिवास मिश्रा,प्राचार्य अनंत राम कश्यप, एवं प्राचार्य पुरुषोत्तम साहू उपस्थित हुए एवं सभी ने छात्राओं को साईकिल वितरित किया। संस्था का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्था की प्राचार्या श्रीमती एम सुजाता नायडू ने कहा की कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल प्रोत्साहित करना था।

ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन-तिलहन लेने जिले में लगाए जा रहे हैं विशेष शिविर

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर जिले में ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन-तिलहन लेने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने विशेष शिविर आयोजित कर फ़सल चक्र परिवर्तन के फायदे के बारे में बताया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिले के चारों विकासखंडों में शिविर आयोजित किया गया। साथ ही अवकाश के दिन रविवार को फ़सल चक्र परिवर्तन के लिए ऋण देने बैंक खुले रहे। इसके साथ ही शिविर में राजस्व, कृषि, सहकारिता विभाग, सहकारी बैंक सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। आज धमतरी विकासखंड के सहकारी समिति लोहरसी, तरसिंवा और देमार के पीपरछेड़ी, परसतराई एवं रांवा में शिविर लगाया गया। कुरूद विकासखंड के सहकारी समिति कोर्रा एवं भखारा अंतर्गत ग्राम सौराबांधा, रामपुर, बगदेही, गातापार और मगरलोड विकासखंड के सहकारी समिति मोहंदी, बेलरदोना, भेण्डरी, करेली बड़ी के संबंधित ग्राम तथा नगरी विकासखंड के फरसिया, साकरा, घुटकेल समितियों के ग्राम बोडरा, भोथली, घुटकेल और कसपुर में शिविर लगाया गया। आज आयोजित शिविर में 336 किसानों का 511 हे. रकबा का ऋण प्रकरण तैयार किया गया, जिसकी राशि एक करोड़ 79 लाख रुपए है। उप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू ने बताया कि जिले में अब तक 1568 किसानों के 1550 हे. रकबा में दलहन, तिलहन, नगदी फ़सल के लिए कुल 2 करोड़ 69 लाख रुपए का ऋण प्रकरण तैयार किया गया है।

कलेक्टर ने जल शक्ति अभियान के संबंध में ली समीक्षा बैठक

जल संरक्षण की दिशा में जल स्रोत बचाव एवं जल जागरूकता अभियान चलाने के दिए निर्देश

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जल शक्ति अभियान के तहत जिले में किए रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में जल संरक्षण के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयास एवं कार्य योजनाओं की जानकारी ली। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान के अंतर्गत किए जा रहे गतिविधियों की भी जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग श्री एस के बर्मन ने बैठक में बताया कि जल संरक्षण के लिए जिले में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसमें महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जल बचाने जागरूक किया जा रहा है। कलेक्टर अग्रवाल ने जल स्रोतों के बचाव एवं वाटर लेवल बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही वर्षा जल बचाव के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी शासकीय भवनों में लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा आमजनों को भी अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने जल स्रोतों के नियमित रखरखाव एवं जल बचाव के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में डीएफ्ओ श्री लक्ष्मण सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव सहित आरईएस, कृषि एवं अन्य विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी जल स्रोतों की पोर्टल में ऑनलाइन एंट्री भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा की पहले जल स्रोत के रूप में उपयोग होने वाले ऐसे संरचनाएं जिसमें अब पानी कम हो गया हो, ऐसे जल संरचनाओं की पहचान कर वाटर रिचार्ज एक्टिविटी संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम पानी वाले क्षेत्रों खासकर देवभोग क्षेत्र में विशेष कार्य करने के निर्देश दिए। जिससे पानी की कमी वाले इलाकों में राहत मिल सके जी। उन्होंने सभी अधिकारियों को जल संरक्षण के कार्यों को गंभीरता पूर्वक संचालित करने तथा जल जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल संचय एक जनभागीदारी अभियान के तहत जिले के सभी जल स्रोत संरचनाओं का ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करने को कहा।

राज्योत्सव के सफल संचालन के लिए कलेक्टर ने ली अधिकारियों बैठक

एमसीबी(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 10-06/2024/1-5, नया रायपुर, अटल नगर 01 अक्टूबर 2024 द्वारा राज्य स्थापना दिवस आयोजन के अवसर पर 05 नवम्बर 2024 को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ। इस संदर्भ में जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में बैठक हुई। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि यह राज्य उत्सव कार्यक्रम शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ के मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु अनिल कुमार सिदार, अपर कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि सहायक नोडल अधिकारी के रूप में नितेश उपाध्याय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीआरडीए एवं लिंगराज सिदार, अनुविभागीय दण्डाधिकारी मनेन्द्रगढ़ नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु वन मंडलाधिकारी एमसीबी को रेस्ट हाउस में अतिथियों के सत्कार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें कार्यक्रम स्थल पर बांस-बल्ली की व्यवस्था भी शामिल है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और पार्किंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालक उद्यान को गमले, फूल माला, बुके तथा मंच की सजावट की व्यवस्था सम्भालनी होगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, खनिज अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को मंच एवं ग्रीन रूम में जलपान, शाल, श्रीफल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को मंच निर्माण, स्टाल निर्माण, बैठने हेतु सोफा-कुर्सियों तथा कार्यक्रम स्थल पर चाय-नाश्ते की व्यवस्था का कार्य सौंपा गया है। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग एवं सहायक जनसंपर्क अधिकारी को वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और मीडिया बैठकों की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, जबकि सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रम का संपूर्ण प्रबंधन सौंपा गया है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम गरिमापूर्ण हो और फिल्मी गानों पर आधारित न हो। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन डिप्टी कलेक्टर प्रितेश सिंह राजपूत एवं संजय कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (रा0) और तहसीलदार मनेन्द्रगढ़ के मार्गदर्शन में, स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन अजय कुमार मिश्रा एवं संजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, मनेन्द्रगढ़ को कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पानी के टैंकर, चलित सुलभ शौचालय की व्यवस्था तथा कार्यक्रम समाप्ति के बाद तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक विश्व परिवार

व्यापार समाचार

विकसित भारत को साकार करने के लिए विज्ञान को प्रोत्साहन दे रही सरकार : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में की गई प्रमुख पहलों का उद्देश्य विकसित भारत को साकार करना है। मीडिया से बात करते हुए जितेंद्र सिंह ने सरकार के साहसिक एवं रणनीतिक विज्ञान प्रोत्साहन के बारे में बताया, जिसमें बायोइकोनॉमी बनाने के उद्देश्य से बायो ई3 नीति पेश करने के लिए अंतरिक्ष स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का उद्यम पूंजी कोष शुरू करना शामिल है। मंत्री ने कहा, अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में मोदी सरकार की प्रमुख पहल वैश्विक नवाचार मंच पर भारत की भूमिका को आगे बढ़ाने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक क्षमता को बढ़ाने के अलावा यह पहल एक स्थायी, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था में भी योगदान देती है जो उद्योग और संसाधनों में वैश्विक बदलावों का सामना कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह पहल अंतरिक्ष अन्वेषण, जैव प्रौद्योगिकी और मौसम विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत के नेतृत्व को भी सुनिश्चित करेगी। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए विशेष उद्यम पूंजी कोष भारत के लगभग 300 अंतरिक्ष स्टार्टअप के बढ़ते आधार का लाभ उठाने की एक व्यापक योजना का हिस्सा है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र को निजी खिलाड़ियों के लिए खोलने के इस फैसले से अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में उल्लेखनीय बदलाव आया है। सिर्फ एक स्टार्टअप से शुरू होकर इस नीति ने आज सैकड़ों अंतरिक्ष तकनीक कंपनियों वाला एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद की है। चंद्रयान-3 मिशन जैसी उपलब्धियों से भारत को मिली वैश्विक मान्यता का जिक्र करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था हमारे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आगामी गगनयान अंतरिक्ष मिशन पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष प्रगति का उद्देश्य नवाचार, सटीकता और विश्वसनीयता के साथ अग्रणी होना है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव चालक दल वाला अंतरिक्ष मिशन होगा जिसे 2026 में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। इसी प्रकार बायो ई3 नीति के साथ सिंह ने जैव-संचालित भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अगली औद्योगिक क्रांति पारंपरिक विनिर्माण की बजाय जैव-अर्थव्यवस्था पहलों से उत्पन्न होगी। सरकार समावेशी और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए जैव प्रौद्योगिकी क्षमता का दोहन कर रही है।

हरित ऊर्जा में तेजी से आगे बढ़ रहा है ब्रिटेन : प्रशांत रुइया

लंदन(एजेंसी)। भारतीय अरबपति प्रशांत रुइया ब्रिटेन में मर्ज़ी नदी के किनारे हाइड्रोजन ईंधन आधारित एक नई रिफाइनरी बना रहे हैं, जो देश का पहला उत्सर्जन मुक्त संयंत्र होगा। संडे टाइम्स बिजनेस की एक प्रोफाइल खबर के अनुसार, ब्रिटेन के उत्तर पश्चिमी इलाके के औद्योगिक केंद्र में एक इमारत की छत से देखने पर खेतों और धुआं उगलते रासायनिक संयंत्रों का दृश्य हमारे सामने फैला है। एक क्षितिज वेल्श की पहाड़ियां बनाती हैं और दूसरा मर्ज़ी नदी और कैमेल लेयर्ड शिपयार्ड। चेशायर में एक शानदार दिन और भारतीय अरबपति प्रशांत रुइया का मूड शरद ऋतु की धूप की तरह खिला हुआ है। मेरे कंधे पर हाथ रखकर वह भाप उगलती पाइपों, आग उगलती चिमनियों और विशाल कूलिंग टावरों के बेतरतीब विस्तार की ओर इशारा करते हैं, जिनका संयोजन ब्रिटेन की दूसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी स्टैनलो का निर्माण करते हैं। उन्होंने नाटकीय ढंग से अपनी बाहें फैलाईं और मुस्कुराते हुए बोले, यह सब बदल रहा है। हम पूरे उत्तर पश्चिम में उद्योग को डीकार्बोनाइज करने जा रहे हैं। रुइया (55) पारिवारिक औद्योगिक घराने एस्सार समूह के वंशज हैं, और इसके मुख्य कार्यकारी हैं। रुइया ब्रदर्स के नाम से विख्यात उनके पिता शशि और चाचा रवि द्वारा स्थापित इस समूह की उतार-चढ़ाव भरी किस्मत व्यवसाय की किंवदंती का हिस्सा है। उन्होंने 2011 में शेल से स्टैनलो रिफाइनरी खरीदी थी, जब यह मरम्मत से गुजर रही थी और इसकी स्थिति काफी खराब थी। रुइया कहते हैं कि उन्होंने तब से इसमें एक अरब डॉलर का निवेश किया है, लेकिन यह अब भी स्पष्ट है कि ब्रिटेन के ईंधन का 16 प्रतिशत उत्पादन करने वाले 100 साल पुराने इस संयंत्र ने इससे अच्छे दिन देखे हैं। पाइप कई जगहों पर लीक करते हैं, जबकि कच्चे तेल को जेट ईंधन, डीजल और पेट्रोल में बदलने वाले इसके डिस्टिलेशन कॉलम आम तौर पर जंग खाए हुए और रंगहीन हैं। इसके बड़े हिस्से बंद हो चुके हैं और जंग खा रहे हैं। हालांकि, करीब से देखने पर आप भविष्य देख सकते हैं और इसके बारे में रुइया का उत्साह भी। कुछ दूरी पर मचानों के जाल के बीच से एक बिल्कुल नई रिफाइनरी उभर रही है, इसके चमकदार चांदी के रंग के टावर पृष्ठभूमि में खड़े 1960 के दशक के एक अप्रयुक्त ढांचे के गहरे लाल रंग के जंग के बिल्कुल विपरीत दिख रहे हैं। इसे हाइड्रोजन पर चलाने के लिए बनाया जा रहा है। यह ब्रिटेन की पहली रिफाइनरी होगी जो सीओ2-उत्सर्जन करने वाली गैस पर आधारित नहीं होगी। रुइया कहते हैं, और, यह तो बस शुरुआत है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा और सरकार ने अपना समर्थन दिया, तो परिवार रिफाइनरी के अन्य हिस्सों के लिए कार्बन-कैप्चर तकनीक अपनाएगा, कार्बन को पंप करके अप्रयुक्त गैस क्षेत्रों में लिवरपूल खाड़ी के समुद्र तल के नीचे पहुंचा दिया जाएगा। हालांकि, सबसे पहले एस्सार को हाइड्रोजन बनाने के लिए एक प्लांट बनाने की जरूरत है। रुइया कहते हैं कि इसमें 350 मेगावाट उत्पादन क्षमता होगी। उनके दिमाग में हर विषयवस्तु के लिए एक संख्या है। सब कुछ ठीक रहा तो दूसरा हाइड्रोजन प्लांट भी बनाया जाएगा। रिफाइनरी के इस्तेमाल के बाद जो गैस बचेगी उसे पड़ोसी कारखानों, जैसे कि एन्सर्क बोतल बनाने वाले प्लांट में पाइप के जरिए भेजा जाएगा, ताकि उनके परिचालन को भी कार्बन मुक्त किया जा सके। संक्षेप में, 2030 तक स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने की सरकार की जीबी एनर्जी योजना के तहत उत्तर-पश्चिम में रुइया और एस्सार की एनर्जी ट्रांजिशन इकाई (ईईटी) निजी क्षेत्र का महत्वपूर्ण प्रवर्तक है। वास्तव में, कुछ ही सप्ताह पहले, डाउनिंग स्ट्रीट से एक दल शहर में आया था और प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इन परियोजनाओं तथा हंबरसाइड में ऐसे ही एक क्लस्टर के लिए 21.7 अरब पाउंड के सरकारी वित्तपोषण की घोषणा की थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने पर हर्षित राणा ने कहा, पापा की बदौलत यहां तक पहुंचा हूं

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की ऐतिहासिक 2020-21 टेस्ट सीरीज जीत हर किसी को याद है। इस दिन एक युवा क्रिकेटर हर्षित राणा ने एक सपना देखा था, जो अब तीन साल बाद हकीकत बनने वाला है। भारत की 18 सदस्यीय टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हर्षित राणा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल हैं। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार परफॉर्मेंस के बाद राणा की यात्रा उनके समर्पण को दर्शाती है। उम्मीद है कि अनुभवी खिलाड़ियों और गौतम गंभीर की कोचिंग में वह इस मौके को पूरी तरह भुनाने में सफल होंगे। आईपीएल 2024 के बाद से राणा भारतीय टीम का अभिन्न अंग रहे हैं, वह लगातार टीम के साथ यात्रा करते रहे हैं और उन्होंने अच्छा अनुभव हासिल किया है। जिम्बाब्वे, श्रीलंका और बांग्लादेश के दौरों के दौरान डेब्यू न करने के बावजूद, राणा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों के साथ अपने कौशल को निखारा है। उन्होंने खासकर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के बारे में इन गेंदबाजों से बहुत कुछ सीखा और होमवर्क किया होगा। आईपीएल के जरिए राणा ने अपने कौशल को खूब निखारा है। उन्होंने 2024 में 13 मैचों में 19 विकेट लिए और 20.15 के प्रभावशाली औसत के साथ सबका ध्यान खींचा। इस प्रदर्शन के कारण उन्हें जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 के लिए भारत की ओर से शुरुआती कॉल-अप मिला। हालांकि, वह प्लेइंग-11 में शामिल नहीं हो पाए लेकिन यह अनुभव उनके लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। भारत के बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल से सीखते हुए, राणा ने प्रत्येक सत्र के लिए अलग-अलग लक्ष्यों के साथ अपने कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित किया। राणा ने कहा, मोर्ने मोर्कल हम पर कड़ी नजर रखते हैं और प्रत्येक गेंदबाज नेट पर क्या कर रहा है, इस पर उनका फोकस हमेशा रहता है। वह हमेशा हमें बताते हैं कि हमें प्रत्येक गेंद पर क्या लक्ष्य रखना चाहिए। इससे मुझ स्पष्टता मिलती है कि मुझे आगे क्या करना है। उन्होंने मुझे हर गेंदबाजी सत्र के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य रखने की सलाह दी है। टीम के इतने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलना शानदार होगा। कोच गौतम गंभीर से भी हमें बहुत कुछ सीखने मिलता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे तब पता चला कि मैं ऑस्ट्रेलिया जा रहा हूं जब टीम की आधिकारिक घोषणा की गई।

न्यूजीलैंड से हारने के बाद बीसीसीआई ने लिया एक्शन, वीवीएस लक्ष्मण बने हेड कोच

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने के पहले सप्ताह में ही साउथ अफ्रीका के लिए रवाना होना है. जहां, भारत और अफ्रीकी टीम के बीच टी-20 सीरीज खेली जाने वाली है. इस सीरीज की शुरुआत 8 नवंबर से होगी. इससे पहले एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है कि इस दौरे पर टीम के साथ बतौर हेड कोच गौतम गंभीर नहीं बल्कि वीवीएस लक्ष्मण जाने वाले हैं. भारतीय टीम के साथ साउथ अफ्रीका दौरे पर बतौर हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण को भेजा जाने वाला है. हालांकि, बीसीसीआई ने अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. मगर, खबरों की मानें, तो 8 नवंबर से शुरू होने वाले साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम इंडिया की जिम्मेदारी बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय दिग्गज वीवीएस के हाथों में सौंपी है. बेंगलुरु में एनसीए में काम करने वाले कर्मचारी और अन्य कोच, जैसे साईराज बहुतुले, हृषिकेश कानिटकर और सुभदीप घोष, लक्ष्मण के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे. बहुतुले (हेड कोच), कानिटकर (बल्लेबाजी कोच) और घोष (फील्डिंग कोच) इंडिया इमर्जिंग टीम का हिस्सा थे, जिसने ओमान में आयोजित एशिया इमर्जिंग कप टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था. अब आपके मन में सवाल आ रहा होगा कि आखिर गौतम गंभीर को साउथ अफ्रीका दौरे पर क्यों नहीं भेजा जा रहा है? असल में, भारत को अगले महीने की 10 तारीख के आस-पास बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होना है. टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया जाने के बीच गंभीर का साउथ अफ्रीका जाना संभव ही नहीं है. इसलिए बोर्ड ने वीवीएस लक्ष्मण को सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम के साथ वहां भेजने का फैसला लिया होगा.

गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान के कोच पद से दिया इस्तीफा

जेसन गिलेस्पी को मिली ये जिम्मेदारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। हाल ही में अपने घर पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम को टेस्ट सीरीज में हराने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया और फिर जिम्बाब्वे का दौरा करना है।इन अहम दौरों से पहले पाकिस्तान टीम को बड़ा झटका लगा है।दरअसल, टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टर्न ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। वह इसी साल टीम के वनडे और टी-20 कोच नियुक्त किए गए थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कर्स्टर्न की जगह पर जेसन गिलेस्पी को ये जिम्मेदारी सौंपीं है। बता दें कि इससे पहले गिलेस्पी सिर्फ टेस्ट टीम के कोच के रूप में पाकिस्तानी टीम से जुड़े थे।पीसीबी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा, जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे। गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्स्टर्न और पाकिस्तान के खिलाड़ियों व बोर्ड के बीच गंभीर मतभेद रहे।दरअसल, कर्स्टर्न ने डेविड रीड को हाई परफॉरमेंस कोच नियुक्त करने का पीसीबी से अनुरोध किया था।पीसीबी ने उनकी बात को नहीं माना और इसके बदले में वैकल्पिक सुझाव दिए, जो कर्स्टन को स्वीकार्य नहीं थे।ऐसे में बोर्ड और कोच के बीच रिश्ते सही नहीं थे और कर्स्टर्न ने खुद को इस जिम्मेदारी से अलग करने का फैसला किया।

त्योहारी सीजन में नौकरियों की संख्या में 20 फीसदी की उछाल, टियर 2 और 3 शहरों में बढ़ी मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में इस त्योहारी सीजन में 2.16 लाख से अधिक जॉब पोस्टिंग हुई, जो पिछले साल की तुलना में 20 फीसदी अधिक है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक लीडिंग जॉब्स और प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म अपना डॉट कॉम के अनुसार, त्योहारी सीजन में लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टर में हायरिंग को लेकर तेजी देखी गई। इसके अलावा, क्विक कॉमर्स इंडस्ट्री के तेजी से विस्तार ने इस हायरिंग एक्टिविटी में अपना योगदान दिया । सभी सेक्टर में लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशन में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जिसमें जॉब पोस्टिंग में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिटेल और ई-कॉमर्स में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि रेस्त्रां और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह हायरिंग ट्रेंड केवल प्रमुख मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि टियर 2 और 3 शहरों में भी नौकरी के अवसरों में वृद्धि देखी जा रही है। बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे टियर-1 शहरों में जॉब पोस्टिंग में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वहीं, टियर 2 और टियर 3 शहरों में इसमें जबरदस्त उछाल दिखा। लखनऊ, अहमदाबाद, सूरत, भुवनेश्वर, भोपाल, इंदौर, कानपुर, चंडीगढ़, पटना, कोयम्बटूर और जयपुर जैसे शहरों में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ता शहरीकरण, मॉल और क्विक सर्विस रेस्त्रां विस्तार और उपभोक्ता खर्च में वृद्धि ऐसे कारक हैं जिससे ये वृद्धि देखी गई। अपना के संस्थापक और सीईओ निर्मित पारीख ने कहा, हमारे सेक्टर-स्पेसिफिक और गो टू मार्केट कैंपेन लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स जैसी इंडस्ट्री के लिए लॉजिस्टिक मैनेजर, वेयरहाउस एसोसिएट, डिलीवरी पार्टनर और कस्टमर सपोर्ट मैनेजर को खोजने में मददगार रहे। रिटेल और ई-कॉमर्स सेक्टर भी विस्तार कर रहा है, जिसमें उपभोक्ताओं के अनुभवों को बढ़ाने के लिए कैटेगरी ग्रोथ मैनेजर, सेल्स एसोसिएट और कस्टमर सपोर्ट मैनेजर जैसे 18,000 पद जोड़े जा रहे हैं।

कुश्ती : चिराग चिक्कारा ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीते रविवार (27 अक्टूबर) को भारत के पहलवान चिराग चिक्कारा ने अल्बानिया के तिराना में स्वर्ण पदक जीतने का कारनामा किया।उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप कुश्ती में पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में किर्गिस्तान के अब्दिमलिक कराचोव को नजदीकी मुकाबले में 4-3 से हराया।इसके साथ ही 18 वर्षीय चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान बन गए हैं। चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले पहलवानों की विशेष सूची में शामिल हो गए।उनसे पहले पुरुषों में अमन सहरावत यह कारनामा कर चुके हैं। बता दें कि अमन ने 2022 में तुर्की के अहमत दुमन को 12-4 से हराते हुए इतिहास रचा था।पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता अमन के बाद महिलाओं में रीतिका हूडा ने 2023 में अंडर-23 विश्व चैंपियन बनी थी। वह महिलाओं में यह खिताब हासिल करने वाली पहली पहलवान है।

एसआईएस पिचेस ने बिलासपुर और अमतर में आठ नई हाइब्रिड क्रिकेट पिचों के साथ भारत में बढ़ाई अपनी मौजूदगी

बिलासपुर । भारत में उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट सुविधाओं की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए खेल सतह डिजाइन, निर्माण और स्थापना में वैश्विक अग्रणी कम्पनी एसआईएस पिचेस ने आठ नए हाइब्रिड क्रिकेट पिचों का निर्माण पूरा होने की घोषणा की है। इन आठ पिचों में से चार अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम अमतर, हिमाचल प्रदेश में और चार अन्य बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में लुहनु क्रिकेट स्टेडियम में बनाई गई हैं। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में हाइब्रिड पिचों के सफल निर्माण के बाद ये नई पिचें दोनों स्थानों पर अधिक खेलों की मेजबानी और देश भर में क्रिकेट के बढ़ते उत्साह को पूरा करने की अधिक क्षमता प्रदान करेंगी। एसआईएस पिचेस की हाइब्रिड क्रिकेट पिच अपने बेहतर स्थायित्व और लगातार खेलने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। इन्होंने पूरे भारत में ग्राउंड टीमों और खिलाड़ियों का ध्यान आकर्षित किया है। अमतर और बिलासपुर में दो-दो पिच मैदान के बीच में बनाई गई हैं, जबकि दो-दो अतिरिक्त पिचें समर्पित अभ्यास क्षेत्र में तैयार की गई हैं। नई पिचें बिलासपुर और अमतर दोनों में सभी स्तरों पर क्रिकेटरों के लिए खेल की स्थिति और पेशेवर गुणवत्ता प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाएंगी। एसआईएस पिचेस ने अमतर के अभ्यास क्षेत्र में विशेष रूप से डिजाइन किए गए टर्फ का 30 वर्ग मीटर विस्तार भी किया है। यह अतिरिक्त टर्फ यहां की क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भविष्य की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा। एसआईएस पिचेस के अंतर्राष्ट्रीय सेल्स डायरेक्टर पॉल टेलर ने कहा, भारत भर में हाइब्रिड पिचों के लिए बढ़ती रुचि को देखना उत्साहजनक है। बिलासपुर और अमतर में टीमों के साथ काम करना एक अच्छा अनुभव रहा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1
(छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है.

एन.आई.टी. क्र./सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रु. (लाख में)
1	2	3
03/160144	S/R M.O.W. WORK OF VARIOUS RESIDENTIAL AND NON RESI DENTIAL BUILDING UNDER SUB DIVISION TILDA, DISTT.- RAIPUR (C.G.) (तृतीय आमंत्रण)	रु. 49.97 लाख
172/160139	SR MOW & DEPOSIT WORK OF RES. & NON RES. BUILDING WORK UNDER PT. J.N.M. MEDI-CAL COLLEGE RAIPUR (C.G.) (प्रथम आमंत्रण)	रु. 50.00 लाख

एन.आई.टी. क्र. 03 सिस्टम टेन्डर नं. 160144 डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 08.11.2024 समय सायं 5.30 बजे तक एवं एन.आई.टी क्र. 172 सिस्टम टेन्डर नं. 160139 डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 17.11.2024 समय सायं 5.30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है.

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., मंडल क्र.-1, रायपुर (छ.ग.)

G-242503473/2

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 30 अक्टूबर 2024

रायपुर दक्षिण उप निर्वाचन : तीन नामाकंन हुए वापस

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर (दक्षिण) उप निर्वाचन-2024 अंतर्गत आज तीन ने अपना नामाकंन वापस ले लिया है। नाम वापस लेने वालों में महेन्द्र कुमार बाघ, रवि भोई व जुगराज जगत शामिल है। उल्लेखनीय है कि रायपुर नगर (दक्षिण) उपनिर्वाचन 2024 के लिए उम्मीदवार 25 अक्टूबर 2024 तक अपना नामांकन दाखिल करने का समय निर्धारित था। वहीं उम्मीदवार 30 अक्टूबर तक अपना नामाकंन वापस ले सकेंगे।

एनएमडीसी, बचेली में सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रारंभ

बचेली (विश्व परिवार)। एनएमडीसी, बचेली में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का प्रारंभ 28.10.2024 को हुआ। जिसके तहत एनएमडीसी के प्रशासनिक भवन प्रांगण में और विभिन्न कार्यस्थलों पर कर्मचारियों, अधिकारियों एवं ठेका श्रमिकों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष सतर्कता जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस वर्ष की विषय वस्तु केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि घोषित की गई है। इस बार यह सप्ताह 28.10.2024 से 03.11.2024 तक मनाया जा रहा है। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कर्मचारी, शिक्षकगण, अपोलो स्टाफ, सीआईएसएफ और बच्चे प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित होंगे। इस बार केन्द्रीय सतर्कता आयोग के द्वारा सभी नागरिको को ई-प्लेज लेने के लिए आव्हान किया गया जिसमें सभी नागरिक https://pledge.cvc.nic.in वेब साईट में जाकर ई-प्लेज ले सकते हैं और ई-प्लेज लेने का प्रमाण-पत्र डाउनलोड कर सकते है।

रोजगार मेला में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 51 हजार से अधिक अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान

भिलाई में डाक विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 228 अभ्यार्थियों को दिया गया नियुक्ति पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। रोजगार मेला के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सरकारी नौकरी मे चयनित 51 हजार से अधिक अभ्यार्थियों को आज नियुक्ति पत्रों का वितरण किया। छत्तीसगढ ङ्क भिलाई में डाक विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 228 अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये।

देशभर में 40 जगहों पर इस रोज़गार मेले का आयोजन किया गया था। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए सार्थक अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाएगा.

भिलाई में आयोजित कार्यक्रम में डाक विभाग अधिकारी, बीएसपी अधिकारी, दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव, ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर समेत बड़ी संख्या में नियुक्त अभ्यर्थी हैं मौजूद थे।

इस मेंले में डाक विभाग, राज्य कामगार विमा महामंडल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रेल्वे, सीमा सुरक्षा बल, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, भारतीय खाद्य महामंडल, भिलाई इस्पात प्रकल्प और भारतीय सूचना प्रौद्योगिक जैसे संस्थानों में कुल 228 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस समय दुर्ग के विधायक श्री ललित चंद्राकर और गजेंद्र यादव तथा मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्रीमती वीणा आर श्रीनिवासन, निदेशक डाक सेवा दिनेश कुमार मिस्त्री उपस्थित थे।

नवनियुक्त भर्तियों को द्वतह्ज्ञ कर्मयोगी पोर्टल पर उपलब्ध एक ऑनलाइन मॉड्यूल %कर्मयोगी प्रारंभ% के माध्यम से आधारभूत प्रशिक्षण लेने का अवसर मिलेगा. 1400 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जो भर्तियों को अपनी भूमिकाओं को प्रभावी ढंग से निभाने और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करेंगे.

रोजगार मेला देश में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है. इस दौरान पीएम मोदी ने धनतेरस की लोगों को बधाई भी धी. उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को धनतेरस की शुभकामनाएं देता हूं.

सफाई मित्रो संग दीपावली उत्सव

रायपुर (विश्व परिवार)। शंकर नगर वार्ड-30 के पार्षद श्रीमती सुमन राम प्रजापति ने बताया कि दीपावली के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सफाई मित्रो को मिठाई, पटाखे, वस्त्र, एवं आवश्यक खाद्य सामग्री प्रदान की गई।

इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी, पूर्व राज्य मंत्री भाजपा वरिष्ठ नेता श्री छगन लाल मूंदड़ा जी, पूर्व सभापति प्रफुल्ल विश्वकर्मा जी, जी ने सर्वप्रथम श्रधेय अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, विधायक पुरन्दर मिश्रा जी एवं छगन लाल मूंदड़ा जी ने सभी को सम्बोधित किया दीपावली की शुभकामनाये दी। कार्यक्रम में जिला कार्य समिति सदस्य टिकेंद्र वर्मा जी, मंडल अध्यक्ष अनूप खेलकर जी, सुजाता महापात्र जी, भरत रामानी जी, पीयूष बरडिया जी, विवेक अग्रवाल जी, ठाकुर जी, सुनीता वंजारी जी, प्रदीप जी, राम तांडी जी, महेंद्र धनकर जी, भारती यादव जी, आशु अग्रवाल जी, ऋत्वि बरडिया जी, सहित वार्ड के नागरिक गण एवं बड़ी संख्या में सफाई मित्र उपस्तिथ हुए।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा 01 नवम्बर को प्रातः 11 बजे दीपावली मिलन समारोह चेम्बर भवन में

छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त व्यवसायियों, उद्योगपतियों एवं आम नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा प्रतिवर्षानुसार दीपावली मिलन समारोह शुक्रवार, दिनांक 01 नवम्बर, 2024 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में आयोजित की गई है। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के व्यापारियों, उद्योगपतियों, व्यवसायिक संगठनों के पदाधिकारियों/सदस्यों एवं आम जनता को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की, एवं चेम्बर के सभी सदस्यों को चेम्बर द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को नरक चतुर्दशी और छोटी दीपावली की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को नरक चतुर्दशी और छोटी दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली से एक दिन पहले कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को छोटी दिवाली मनाई जाती है, इसे नरक चतुर्दशी या रूप चौदस के रूप में मनाया जाता हैं। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था। रूप चौदस का पर्व सौंदर्य से जुड़ा है। साथ ही इस दिन नकारात्मक शक्तियों के प्रभाव को दूर करने के लिए माँ काली और यम की पूजा का विधान है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छोटी दिवाली पर आप सभी के जीवन से चिंता और दुःखों का नाश हो। आप सभी को सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और संपन्नता प्राप्त हो।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अफसरों का ट्रांसफर

रायपुर (आरएनएस)। राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अधिकारियों का तबादला किया है। जारी आदेश के अनुसार शिव कुमार बनर्जी अपर कलेक्टर बिलासपुर से उप सचिव मंत्रालय, राम प्रसाद चौहान मुख्य कार्यपालन अधिकारी बिलासपुर से उप सचिव मंत्रालय, उमेश कुमार पटेल अवर सचिव राजस्व और आपदा से वाणिज्य और उद्योग विभाग मंत्रालय, श्रीकांत वर्मा संयुक्त कलेक्टर कोरबा से अतिरिक्त संचालक पंचायत संचालनालय, दुष्यंत कुमार संयुक्त कलेक्टर सक्ती से अतिरिकत मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य शहरी विकास अभिकरण, अनुपम आशीष टोप्पो डिप्टी कलेक्टर से अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी चिप्स का तबादला किया गया है।